जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 77 प्रभात चूरू, रविवार 14 जुलाई, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'आप लोग लम्बी छुट्टी पर ना जायें, बहुत कुछ होने वाला है'

कांग्रेस के प्रवक्ता ने उपचुनावों के नतीजे आने के बाद पत्रकारों को सलाह दी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। कांग्रेस तथा इण्डिया गठबंधन के लिए यह एक यादगार दिन है, जिन्होंने उपचुनावों में 13 में से 10 सीटें जीत ली हैं। भाजपा 2 सीटों पर विजयी रही है और 1 सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीता है।

भाजपा को एक और प्रबल संकेत देते हुए, कांग्रेस ने उत्तराखण्ड की बद्रीनाथ सीट जीत ली है। कांग्रेस ने उत्तराखण्ड में दोनों सीटें जीती हैं तथा हिमाचल प्रदेश में 3 में से 2 सीटों पर उसे विजय मिली है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सभी चार उपचुनावों में विजयी रहीं, डी.एम.के. तमिलनाडू में जीती और बिहार में पप्पू यादव के नजदीकी माने जाने वाले एक निर्दलीय की जीत हुई है।

भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में एक तथा मध्यप्रदेश में एक सीट पर विजय हासिल की है।

आम आदमी पार्टी पंजाब में जालंधर सीट पर विजयी रही, जिसे आम आदमी पार्टी के लिए अच्छी खबर माना जा रहा है।

- लोकसभा चुनावों के बाद, देश में हुए 13 उपचुनावों में 10 सीटों पर जीत दर्ज कराने के बाद, कांग्रेस पार्टी का मनोबल हिलोरें मार रहा है।
- कांग्रेस ने दावा किया कि अयोध्या के बाद बद्रीनाथ व अन्य धार्मिक सीटों पर जीत इस बात का द्योतक है कि अब धार्मिक नारे जनता को रास नहीं आ रहे हैं तथा चुनाव विशेषज्ञ प्रशांत किशोर ने लोकसभा चुनाव से पूर्व कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से भाजपा के वोटों में कुछ इजाफा नहीं होगा।
- बिहार में न तो लालू यादव की पार्टी जीती और न ही भाजपा-जे.डी. (यू) गठबंधन जीता, एक निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई जो पप्पू यादव के करीबी बताये जाते हैं।
- कांग्रेस ने भाजपा पर कटाक्ष किया कि आत्ममंथन करना चाहिए कि ''ये गड़बड़ क्यों हो रहा है।''

लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद आये उपचुनावों के परिणाम इण्डिया गठबंधन के लिए अच्छी खबर हैं और माना जा रहा है कि इससे इण्डिया गठबंधन का मनोबल बहुत बढ़ेगा।

कांग्रेस ने उपचुनाव के परिणामों को ''भाजपा के मुँह पर थप्पड़'' बनाते हुए कहा है कि भाजपा नेतृत्व को अपने अंदर झांककर देखना चाहिए, यह समझने के लिए कि गलत क्या हो रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पत्रकारों से कहा है कि लंबी छुट्टी पर ना जाएं, बहुत कुछ होने वाला है। शायद वो यह संकेत देना चाहते हैं कि अगले कुछ महीनों में भाजपा सरकार के संदर्भ में कुछ भारी राजनीतिक डवलपमैंट हो सकते हैं। उनका इशारा शायद यह है कि मोदी सरकार के लिए बड़ा संकट पैदा हो सकता है।

चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और उनके परिणाम इस बात का संकेत होंगे कि हवा का रुख किधर है और क्या मोदी वाकई संकट में हैं।

कांग्रेस के अनुसार, अयोध्या, बद्रीनाथ तथा धार्मिक रूचि वाले अन्य स्थानों के चुनाव परिणाम स्पष्ट संकेत देते हैं कि राजनीतिक लाभ के लिए हिन्दूवाद के इस्तेमाल से मतदाता तंग आ गए हैं और अब वो हिन्दू मुसलमान मुद्दे से प्रभावित नहीं हो रहे हैं।

जमीनी विवाद में रिश्तेदार की हत्या, बुजुर्ग को आजीवन कारावास

जयपुर, 13 जुलाई (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-6 महानगर द्वितीय ने जमीनी विवाद के कारण हुई रंजिश में रिश्तेदार की हत्या करने वाले बुजुर्ग अभियुक्त सगीर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 72 वर्षीय इस अभियुक्त पर 20 हजार पांच सौ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने सजा की अवधि को तय करते हुए कहा कि, यह सही है कि अभियुक्त 72 साल की उम्र का है, लेकिन उसका अपराध समाज को आतंकित करने वाला है। ऐसे में उसे आजीवन कारावास देना उचित है।

- आरोपी सगीर अहमद ने जमीन के विवाद में अपने रिश्तेदार अयूब की हत्या कर दी थी। आरोपी 72 वर्षीय है पर अदालत ने कहा, उसका अपराध समाज को आतंकित करने वाला है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सत्येंद्र सिंह ने अदालत को बताया कि, घटना को लेकर मृतक के बेटे आमिर ने 11 जनवरी, 2022 को भट्टा बस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पिता अयूब का हमारे रिश्ते में दादा लगने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया गठबंधन का कहना है, आपातकाल को राजनैतिक दृष्टि से भुनाने की नीति सफल नहीं हो पा रही भाजपा की?

आर.जे.डी., भाकपा व अन्य दलों ने सार्वजनिक रूप से कहा कि भाजपा इंडिया गठबंधन में फूट डालने का प्रयास कर रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। आपातकाल के भूत को बंद बोतल से बाहर लाकर ''जैसे को तैसा'' वाली भाजपा की रणनीति वर्तमान की राष्ट्रीय राजनीति में फिट बैठती प्रतीत नहीं होती क्योंकि प्रमुख विपक्षी पार्टियों ने भाजपा के इस दृष्टिकोण को यह मानते हुए खारिज कर दिया है कि यह बेरोजगारी और मंहगाई सहित राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर बहस से बचने का जुगाड़ है।

- इंडिया गठबंधन का यह भी मानना है कि आपातकाल में मुख्य रूप से पीड़ित होने वाले भी कह रहे हैं कि यह पुरानी बात हो गई है और इस समय उसे उठाना विपक्ष की एकता में दरार पैदा कर रहा है।
- शिव सेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि आपातकाल की घोषणा तब की गई थी जब रामलीला मैदान से, सेना के जवानों से सरकार के आदेश नहीं मानने की अपील खुलेआम की गई थी। तब राष्ट्रीय सुरक्षा के कारण आपातकाल लगाया गया था।

भाजपा पर संविधान को पुनः लिखने और एक एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के आरक्षण को समाप्त करने को लेकर कांग्रेस और विपक्ष के प्रचार अभियान के एक सीधे पलटवार के रूप में भाजपा नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार ने अपने शासन के लगातार ग्यारहवें वर्ष में भी आपातकाल के भय को पुर्नजीवित किया है।

नए सांसदों के शपथ ग्रहण के तुरन्त बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने एक प्रस्ताव का पठन किया था, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा करीब 50 वर्ष पूर्व लगाए गए आपातकाल की भर्त्सना की गई थी। अब गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की है, जिसमें कहा गया है कि आपातकाल लागू किए जाने की तिथि 25 जून को ''संविधान हत्या दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा। ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि इस प्रकार के कदमों से नए वोटर्स की मनोस्थिति पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

इस मुहिम को शुरु करने के पीछे भाजपा का प्रकट उद्देश्य कांग्रेस को उसी की भाषा में जवाब देना और साथ ही इण्डिया गठबंधन की पार्टियों में फूट डालना है क्योंकि मुलायम सिंह यादव सहित विपक्ष के नेता आपातकाल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प. बंगाल में चारों सीटें जीतीं तृणमूल कांग्रेस ने

लोकसभा चुनाव की रणनीति दोबारा अपनाई तृणमूल कांग्रेस ने उप चुनावों में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। जहाँ इण्डिया गठबंधन विधानसभा उपचुनावों में अपने पार्टनरों की जीत की खुशियां मना रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल की जमीनी स्थिति विपक्षी दलों के लिये बड़ी भयानक बनी हुई है।

विपक्ष के अधिकांश राजनेता एवं उम्मीदवार कह रहे हैं कि विधानसभा उपचुनाव वाले चारों विधानसभा क्षेत्रों में वैसी ही घिनौनी स्थिति है, जैसी लोकसभा चुनावों के दौरान थी।

तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी उम्मीदवारों को डराने-धमकाने, शारीरिक हिंसा की धमकियाँ देने, उन्हें एक स्थान तक सीमित कर देने जैसे हथकंडों का सहारा लिया था तथा सत्तारूढ़ दल की विजय के विगत परिणाम के लिये हर प्रकार के साधनों को काम में लिया था।

बाहुबल और हथियारों के ऐसे खूले प्रदर्शन तथा तिकड़मों के बाद भी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने जोर देते हुए कहा था कि जनता ने उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान किया है।

- सत्तारुढ़ पार्टी ने अपने फायदे के लिए सरकारी मशीनरी का जमकर दुरुपयोग किया बी.डी.ओ. व डी.एम. अधिकारियों का अपने हित में उपयोग करके
- इसका स्पष्ट उदाहरण था कि केन्द्रीय सरकार ने गंभीर हालात से निपटने के लिए जो क्विक रैस्पाँस टीम भेजी थी उसे राज्य पुलिस द्वारा घुमावदार रास्तों से गंतव्य स्थान पर ले जाया गया, और टीमें काफी देर से पहुंचीं।
- मतदान केन्द्रों पर तृणमूल के असामाजिक तत्व तैनात किए गए थे। लोगों ने विपक्षी नेताओं व कार्यकर्ताओं, जिसमें भाजपा भी शामिल है, को पोलिंग बूथ तक नहीं पहुंचने दिया।

सत्तारूढ़ दल ने अपने हितों को पूरा करने के लिए राज्य प्रशासन (जैसे बी.डी.ओ., डी.एम. तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों) के काम में लिया था। केन्द्र सरकार ने मतदान केन्द्रों तथा उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन स्थितियों को सँभालने के लिये ''क्विक रेस्पॉन्स'' टीम (क्यू.आर.टी.) गठित की गई थी।

किन्तु इन क्यू.आर.टी. टीमों को उपद्रवग्रस्त स्थानों तक ले जाने का काम राज्य पुलिस ही करती थी। निरपवाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आवंटियों की सहमति के बिना बिल्डर ले-आउट प्लान नहीं बदल सकता

जयपुर, 13 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान रियल एस्टेट अपीलीय प्राधिकरण ने एक प्रकरण में निर्णित किया कि बिल्डर आवंटियों की सहमति के बिना निर्माण शुदा इमारत के ले-आउट प्लान में कोई भी परिवर्तन नहीं कर सकता। इसके अलावा संबंधित इमारत के ब्रॉशर में अंकित की गई सुख-सुविधा आवंटियों को मुहैया कराई जाएंगी, फिर चाहे उन्हें आवंटियों से निष्पादित किए गए इकरारनामे में दर्शाया गया हो या नहीं। प्राधिकरण ने यह आदेश साउथ एक्स रैजिडैंस वेलफेयर सोसायटी की अपील पर दिए।

- राजस्थान रियल एस्टेट एपिलेट ने एक केस में यह फैसला दिया और कहा कि बिल्डिंग ब्रोशर में अंकित सभी सुविधाएं आवंटियों को मुहैया कराई जानी चाहिए।

अपील में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि बिल्डर विर्गो बिल्ड स्टेट ने सांगानेर में साउथ एक्स के नाम से एक आवासीय टाउनशिप वर्ष 2014 में शुरू की। जिसमें बिल्डर ने विला, फ्लैट और ग्रुप हाउसिंग बनाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिमाचल की जीत से कांग्रेस विशेष रूप से प्रसन्न है

मु.मंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू की खुशी का कारण है कि अब अन्य पार्टियों के विधायकों को तोड़ने का प्रयास करने वालों की कोशिशें अब बंद हो जायेंगी

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। सात राज्यों में हुए उपचुनावों में विपक्ष के इण्डिया गठबंधन को विधानसभा की 13 सीटों में से 10 पर विजय प्राप्त हुई है, सत्तारूढ़ भाजपा के साथ लोकसभा चुनाव में अपना मजबूत प्रदर्शन किया था, भाजपा जो पिछले माह केन्द्र में तीसरी बार लगातार सत्ता में आई है, उसे मात्र दो सीटें ही मिली हैं।

हिमाचल में एक उल्लेखनीय शुरुआत देखी गई, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू की पत्नी कमलेश ठाकुर को देहरा निर्वाचन क्षेत्र में विजय प्राप्त हुई। नलगढ़ सीट को भी जीतने से कांग्रेस की स्थिति मजबूत हुई है, जबकि भाजपा हमीरपुर की ही एक सीट को जीतने में सफल हो पाई है।

मुख्यमंत्री सुखू ने उपचुनावों में जीत के बाद अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, हिमाचल की जनता ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो लोग प्रदेश की ''सरकार को गिराने का षडयंत्र रच रहे थे।''

सुखू ने कहा ''हिमाचल की जनता ने 2022 के चुनावों में हमें 40 सीटें दी थीं। जनता ने अवैध रूप से सरकार गिराने वालों को सबक सिखाया है क्योंकि ऐसा प्रदेश की राजनीति में पूर्व में होता था।''

- मध्य प्रदेश में कांग्रेस के प्रत्याशी धीरन शाह की हार ने अब फाइनल मोहर लगा दी, कांग्रेस के पूर्व मु.मंत्री कमलनाथ के राजनीतिक जीवन व प्रभाव के अन्त पर।
- बिहार में जे.डी. (यू.) की ओर से कई बार पूर्णिया सीट से विधायक बनीं बीमा भारती का किस्सा भी अजीबोगरीब है। उन्होंने, जे.डी. (यू.) से चुनी गई सीट से इस्तीफा देकर, आर.जे.डी. के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा का चुनाव लड़ा था। पर, वे लोकसभा चुनाव में विजयी नहीं हुईं तो उन्होंने आर.जे.डी. की ओर से विधायक का चुनाव लड़ा पूर्णिया से, लेकिन इस बार वो चुनाव ही नहीं हारीं बल्कि तीसरे स्थान पर आयीं।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि ''इन चुनावों से यह भी संदेश जाता है कि प्रदेश की जनता सचेत व जागरूक है और अब ऐसी तोड़-फोड़ की योजनाएं सफल नहीं होंगी। तीन निर्दलीय विधायकों के पास इस्तीफा देने का कोई कारण नहीं था। वे सिर्फ फौरी तौर पर ही भाजपा से जुड़े थे परन्तु उनको भी सबक मिल गया।''

पंजाब में, आप पार्टी के मोहिन्दर भगत की जालंधर पश्चिम सीट से निर्णायक जीत हुई है, उन्होंने यह चुनाव 23,000 से अधिक वोटों के अन्तर से जीता है। इस बीच पश्चिम बंगाल में, टी.एम.सी. ने चारों सीटों पर लड़े गए चुनावों में अपनी जीत दर्ज करके पार्टी की धाक को बरकरार रखा है।

तमिलनाडु में द्रमुक के अनीपुर शिवा ने विधानसभा की विक्रावंडी सीट लगभग 60,000 वोटों के विशाल अन्तर से जीती है। उत्तराखण्ड में दोनों सीटों पर कांग्रेस ने अपनी जीत दर्ज की है, जबकि मध्यप्रदेश में अमरवाड़ सीट पर भाजपा के कमलेश प्रताप शाही विजयी हुए हैं और उन्होंने कांग्रेसी उम्मीदवार धीरन शाह इनावती को 3252 मतों के अन्तर से हराया है। इसे प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ युग के अंत रूप में देखा जा रहा है।

निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने बिहार में पूर्णिया की रूपौली विधानसभा सीट उपचुनाव में जीत ली है और जे.डी.ए. के कलाधर प्रसाद मण्डल को 8246 मतों के अन्तर से पराजित किया है। आर.जे.डी. की प्रत्याशी इस उपचुनाव में तीसरे स्थान पर रही हैं क्योंकि उन्हें 30,619 मत प्राप्त हुए हैं।

वर्तमान विधायक बीमा भारती के इस्तीफा देने की वजह से उप-चुनाव कराए गए थे, जो जे.डी.(यू.) की सीट से अनेक बार चुनाव जीत चुकी थीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संविधान हत्या दिवस पर, प्रियंका ने सरकार को घेरा

नयी दिल्ली, 13 जुलाई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 1975 में आपातकाल लगाने की तिथि, 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के सरकार के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि,

- कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने आश्चर्य जताया कि जिन्होंने संविधान का सम्मान नहीं किया वो संविधान खत्म करना चाहते हैं, वे संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं।

जिन्होंने बार-बार संविधान पर प्रहार किया है वे नकारात्मक सोच के साथ संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी संविधान को नहीं माना, संविधान लागू करने का विरोध किया, इसका कभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चीन के ''एसैट्स'' को नैशनलाइज़ करने के बारे में गंभीरता से विचार कर रहे हैं यूरोपीय देश

ये एसैट्स हैं, चीन द्वारा बैल्ट एण्ड रोड प्रोजैक्ट्स के तहत बनाए गए रेल मार्ग, बंदरगाह और हाईवे आदि

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। चीन को लेकर पश्चिमी देशों का संदेह इस हद तक पहुंच चुका है कि यूरोपीयन यूनियन यूरोप में एक बड़े संघर्ष के पूर्वानुमान के साथ अपने यहाँ स्थित चीन की इन्फ्रास्ट्रक्चर सम्पत्तियों के राष्ट्रीयकरण की संभावनाओं के बारे में सोच रही है।

पश्चिमी देशों के रक्षा संगठन ''नाटो'' की इस सप्ताह वॉशिंगटन में हुई एक मीटिंग में चीन को यूक्रेन में युद्ध छेड़ने के लिए रूस का सबसे बड़ा हमदर्द बताया गया। नॉर्थ एटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइज़ेशन ''नाटो'' में आने वाले पश्चिमी देश यूक्रेन और आसपास के देशों में रूस के युद्ध अभियानों के आगे स्वयं को लगातार कमजोर महसूस कर रहे हैं।

चीन को लेकर यूरोपीयन यूनियन के रूख में बदलाव आया है। वह उत्साह के बाद पूर्ण संदेह में बदल गया है, जो भारतीय कूटनीति के लिए भी एक सबक है। रूस के साथ कैसा भी निकट संबंध अब पश्चिमी देशों के लिए संदेह का कारण है।

यूरोप में चीन के कई इन्फ्रास्ट्रक्चर और सम्पत्तियां हैं, जैसे कि रेलवे कनैक्शन्स, पोर्ट सुविधाएँ हाईवेज़ और बैल्ट एण्ड रोड इनिविएटिव के अन्तर्गत विकसित कई अन्य प्रोजैक्ट्स। नवीनतम रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय देश अपने वहां मौजूद चीन की सम्पत्तियों का राष्ट्रीयकरण करने के बारे में सो रहे हैं और वे ऐसा करने के बाद ही अन्तर्राष्ट्रीय अदालतों में चीन की शिकायतों से निबटेंगे।

- अब चीन के खिलाफ उन्माद जैसी स्थिति है यूरोप में, कि इन इन्फ्रास्ट्रक्चरल प्रोजैक्ट्स को शत्रु सम्पत्ति की संज्ञा दी जा रही है।
- चीन को रूस का स्थायी मित्र माना जा रहा है और चीन के ये प्रोजैक्ट्स, जो सालों में धीरे-धीरे बने हैं, को नैशनलाइज़ करके यूरोपीय देश एक युद्ध जैसी मानसिकता का परिचय दे रहे हैं, जिसके अंतर्गत शत्रु ही नहीं, शत्रु की मदद करने वाले मित्र राष्ट्र को भी शत्रु ही मान लिया जाता है।
- यूरोपीय देशों के मन में भय व्याप्त है कि रूस चीन की मदद से केवल यूक्रेन पर विजय पाकर संतुष्ट नहीं होगा तथा पश्चिमी दिशा में आगे बढ़ेगा और तब यूरोप के अन्य देश सुरक्षित नहीं रहेंगे तथा उन पर भी आक्रमण हो सकता है।

यूरोपीय देशों में चीन में इन्फ्रास्ट्रक्चर और सम्पत्तियों के निर्माण में बरसों लगे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब वैश्विक आर्थिक मंदी और उसके बाद उपजे गतिरोध के बाद यूरोपीय देशों को ऐसा लगने लगा कि बड़ी आधारभूत परियोजनाओं के लिए चीन की फायनैंशियल क्रेडिट लाइन्स अधिक सस्ती और सुविधाजनक हैं, लेकिन रूस के साथ चीन की सम्बद्धता के बाद यूरोप में मौजूद चीन के प्रोजैक्ट्स को एक ऐसी अर्जित ताकत और संचालित सम्पत्तियों के रूप में देखा जा रहा है जो सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौती प्रस्तुत कर रही हैं।

इस बीच, रूस पश्चिमी देशों में मौजूद अपने गुप्त स्त्रोतों का पूर्ण उपयोग कर यूक्रेन को इन देशों की मदद ना मिलना सुनिश्चित कर रहा है। यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देश युद्ध में घिरे यूक्रेन को अपना समर्थन पहले ही व्यक्त कर चुके हैं।

पश्चिमी यूरोप के देश रूस को लेकर भयभीत हैं और यूक्रेन में मिलने वाली रूस की किसी भी सफलता को उसके पश्चिमी यूरोप के दरवाजे पर आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में के.पी. शर्मा ओली नए प्रधानमंत्री

काठमांडू, 13 जुलाई। नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल पार्टी के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली ने देश में नयी सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया है और उन्हें रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलायी जाएगी।

निवर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की सरकार ने शुक्रवार को नेपाल की संसद का विश्वास मत खो दिया।

- रविवार को ओली को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी।

उसके बाद ओली ने नयी गठबंधन सरकार बनाने की अपनी दावेदारी पेश की है। नेपाल के समाचार माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार ओली को रविवार सुबह प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलायी जाएगी। काठमांडू से प्रकाशित अंग्रेजी अखबार 'माई रिपब्लिका' की आज की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल कल आधिकारिक तौर पर ओली को प्रधानमंत्री नियुक्त करेंगे।

विचार बिन्दु

उधार वह मेहमान है जो एक बार आने के बाद जाने का नाम नहीं लेता। –प्रेमचंद

व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये वनानुभव

चीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक पुनर्वसु आत्रेय को चिकित्सा व स्वास्थ्य-रक्षण के एक ऐसे सिद्धांत का जनक माना जाता है जिसे आज वनानुभव और प्रकृति-अनुभव (फ़ॉरेस्ट -एक्सपीरियंस, नेचर-एक्सपीरियंस) आदि नामों से जाना जाता है। स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार में प्राकृतिक स्थलों की भूमिका का आयुर्वेद में कम से कम 1000 साल ईसा पूर्व से वर्णन प्राप्त होता है। हाल ही में हुई शोध अब यह निर्विवाद सिद्ध करती है कि प्रकृति का सानिध्य हमारे संज्ञानात्मक, भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक, मानसिक और बायोफिज़ियोलॉजिकल स्वास्थ्य में सुधार करता है। परन्तु सबसे बडी बात यह है कि वर्ष 2022 तक की शोध अब यह निर्विवाद सिद्ध कर चुकी है कि वनानुभव से ह्यूमन नेचुरल किलर सेल्स की क्रियात्मकता बढने और इन्फ्लेमेशन कम होने सहित अनेक रास्तों के माध्यम से इम्म्यूनिटी बढ़ती है।

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया:–भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा, इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है।

आत्रेय का उत्तर था:–अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पडता है। यदि बीमार पड भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में ही बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तु समसंहननो नरः। दृढेन्द्रियो विकाराणां न बलेनाभिभूयते॥ क्षुत्पिपासातपसहः शीतव्यायामसंसहः। समपक्ता समजरः सममांसचयो मतः॥

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो-कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होने से रोगजनन आसानी से होता है। इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेतरक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन-शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अतः व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है।

आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इम्यूनिटी मूलतः दो प्रकार से समझी जा सकती है:– इनेट (जन्मजात) और एडाप्टिव (अनुकूलनीय)। इनेट-इम्यूनिटी प्रतिरक्षा की पहली पंक्ति है जो पैथोजेन को मारने वाली कोशिकाओं जैसे- न्यूट्रोफिल और मैक्रोफेज द्वारा संपादित की जाती है। किसी विषाणु का संक्रमण होने पर ये किलर-सेल्स तेज गति से सबसे पहले अपना काम करती हैं। एडाप्टिव- इम्यूनिटी की क्रियात्मकता तुलनात्मक रूप से धीमी होती है। इस तंत्र में टी-कोशिकाओं, बी-कोशिकाओं और एंटीबॉडी जैसी व्यवस्था है जो विशिष्ट रोगजनकों पर प्रतिक्रिया देता है। यह तंत्र इम्यून-मेमोरी के लिये भी उत्तरदायी है जो मानव में पहले हुई कुछ बीमारियों को पहचानता है और दुबारा नहीं होने देता। मेमोरी बी-सेल नामक कोशिकायें पैथोजेन को पहचानती हैं, और दुबारा संक्रमण होने पर त्वरित-प्रतिक्रिया करते हुये संक्रमण को निष्फल करने का काम करती हैं। हालाँकि नवीन शोध यह बताती है नेचुरल-किलर कोशिकायें भी एडाप्टिव-इम्यूनिटी प्रतिक्रिया का प्रदर्शन कर सकती हैं। जो भी हो, गडबड तब होती है जब कुछ वायरस या माइक्रोब्स अपने पूर्व रूप से म्यूटेट या उत्परिवर्तित होकर इम्यून-मेमोरी (प्रतिरक्षा स्मृति) को गच्चा दे देते हैं।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्वहै। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी के बल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36): त्रिविधं बलमिति- सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजं यच्छरीरसत्त्वयोः प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजं वयःकृतं च, युक्तिकृतं पुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19) रसादीनां शुक्रान्तानां धातूनां यत् परं तेजस्तत् खल्वोजस्तदेव बलमित्युच्यते स्वशास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तु बलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौजः स्मृतः काये स च पाप्मोपदिश्यते॥ यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि-बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदाहरण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अतः व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक-शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार-शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम-शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं व मलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लियेसात रक्षा-दीवारों की निरंतर और सम्यक सार-सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें आहार या खानपान, विहार या जीवनशैली, स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंततः औषधि या चिकित्सा शामिल हैं। परन्तु वनानुभव इन सबसे ऊपर है। एक साथ वनवास काटने की बात नहीं है बल्कि प्रतिदिन थोडा वनानुभव अवश्य लीजिये। प्रति सप्ताह कम से कम 168 मिनट वनों, उपवनों और हरियाली में बिताइये। इससे इम्म्यूनिटी बढ़ने के साथ प्रसन्नता, आत्म-सम्मान, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में धनात्मक सुधार होगा। यह शास्त्र-सिद्ध, शोध-सिद्ध और स्वानुभूत है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

ख्वाजा साहब की महाना छठी पर देशभर से अकीदतमंद उमड़े

ख्वाजा गरीब नवाज की महाना छठी पर देश में अमन-चैन, शांति व भाईचारा की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। मोहर्रम यानी (मिनी उर्स) पर दरगाह परिसर में परंपरा के अनुरूप धार्मिक रस्में अदा की जा रही है। ख्वाजा साहब की दरगाह में देशभर के जायरीनों की भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को ख्वाजा गरीब नवाज की महाना छठी शिद्दत और धार्मिक परंपरागत तरीके से मनाई गई। देश में अमन चैन, शांति व भाईचारा की दुआ मांगी गई। इस दौरान दरगाह परिसर अकीदतमंदों से खचाखच भरा रहा। मोहर्रम की सात तारीख रविवार को दरगाह परिसर में रखे ताजिए पर मेहंदी की रस्म अदा की जाएगी, सद्दों का जुलूस निकलेगा।

सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह परिसर स्थित आहता-ए-नूर में शनिवार सुबह 9 बजे महाना छठी मनाई गई। ख्वाजा साहब की महाना छठी की फातेहा का आयोजन हुआ। दरगाह कमेटी के मौलाना ने ख्वाजा साहब की जीवनी और उनकी शिक्षाओं के बारे में जानकारी दी।

मोहर्रम और ख्वाजा साहब की महाना छठी पर दरगाह परिसर व बाहर अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी।

- ख्वाजा साहब की दरगाह में देशभर के जायरीनों की भीड़ उमड़ रही है
- मोहर्रम पर सद्दो का जुलूस व मेहंदी की रस्म आज निभाई जायेगी

खुद्दाम-ए-ख्वाजा की ओर से गरीब नवाज की शान में नात व मनकबत पेश किए गए। साथ ही ख्वाजा साहब की जीवनी तथा शिक्षाओं पर बयान देकर मुल्क में अमन चौन, शांति, खुशहाली, भाईचारे एवं तरक्की के लिए दुआ की गई। दरगाह में मौजूद अकीदतमंदों व जायरीनों में तबर्रुक तकसीम किया गया। छठी शरीफ और मोहर्रम के चलते दरगाह परिसर पूरी तरह जायरीन से खचाखच भरा हुआ था। इस अवसर पर दरगाह कमेटी द्वारा जायरीन के लिए लंगर का आयोजन किया गया।

मोहर्रम की सात तारीख रविवार को दरगाह स्थित लंगरखाने से सद्दो का जुलूस निकाला जाएगा। महफिलखाने पर चांदी का ताजिया आम जायरीन की जियारत के लिए रखा जाएगा तथा अस्त्र की नमाज के बाद मेहंदी की रस्म अदा की जाएगी। इमाम बारगाह लंगर खाना से सात मोहर्रम को जुलूस प्रारंभ होगा। मोहल्ला सिपाहीयान में ताजिया रखा जाएगा। मर्सियाख्वानी और बयान शहादत का सिलसिला योमे आशूरा तक चलेगा। योमे आशूरा पर चांदी का ताजिया और डोला रूपी ताजिए की सवारी निकाली जाएगी। सवारी लंगर खाना इमाम बारगाह से प्रारंभ होकर दरगाह बाजार, अंदरकोट होते हुए बड़बाव पहुंचेगी, सलातो सलाम पढ़ने के बाद ताजिए को सैराब किया जाएगा।

बदरुद्दीन कुरैशी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी मोहर्रम की 7 तारीख पर हजरत कासिम अलैहिस्सलाम की याद में पेश की जाने वाली मेहंदी की रस्म अदा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि नागफनी दरगाह संपर्क सड़क से कुरैशी समाज के परिवार और ताराशाह नगर हुसैनी मोहल्ला विकास समिति की ओर मेहंदी पेश की जाती है। कुरैशी ने बताया कि अंदर कोट, त्रिपोलिया गेट, दरगाह बाजार, निजाम गेट होते हुए दरगाह शरीफ मकबरे पर बड़े ताजिया पर मेहंदी पेश कर रस्म अदा की जाएगी। रस्म में सर्वधर्म कौमी एकता समिति के पदाधिकारी भी सम्मिलित होंगे। मेहंदी से पूर्व दरगाह संपर्क सड़क पर सर्वधर्म प्रतिनिधियों द्वारा पौधरोपण किया जाएगा।

जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज को पार्थिव देह दान की

अजमेर, (कासं)। अजमेर के कोटड़ा निवासी प्रेमनाथ टंडन का शनिवार को निधन होने के बाद उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार परिजनों ने उनकी पार्थिव देह को जेएलएन मेडिकल कॉलेज को दान किया। टंडन ने अपने जीवनकाल में देहदान का संकल्प लिया था।

- अजमेर के कोटड़ा निवासी प्रेमनाथ टंडन का शनिवार को निधन हो गया था
- टंडन की अंतिम इच्छा के अनुसार परिजनों ने उनकी पार्थिव देह जवाहरलाल नेहरु मडिकल कॉलेज को सौंपी

टंडन के परिजन ने बताया कि प्रेमनाथ टंडन (67) का शनिवार को देहांत होने के बाद पार्थिव देह लेकर जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की मौजूदगी में देहदान किया गया। टंडन के परिजन ने कहा कि देहदान करने की प्रेमनाथ की अंतिम इच्छा थी, जिसे परिजन ने आज पूरा किया है। प्रेमनाथ टंडन के मित्र ने बताया कि क्रिश्चियन गंज टेलर का कार्य करते थे।

मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने देहदान को एक सराहनीय कदम बताया, जो मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मेडिकल छात्रों के लिए मानव शरीर की संरचना और कार्यप्रणाली को समझने के लिए वास्तविक शारीरिक संरचनाओं पर अध्ययन करना आवश्यक होता है। इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री का आभाव होने पर छात्रों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। देहदान से न केवल छात्रों को बेहतर शिक्षा मिलती है, बल्कि भविष्य में बेहतर चिकित्सक बनने में भी सहायता मिलती है। कॉलेज प्रशासन ने टंडन के परिवार का आभार व्यक्त किया।

अरावली साइकिल यात्रा अभियान दल डूंगरपुर पहुंचा, लोगों ने जवानों का हौसला बढ़ाया

डूंगरपुर, (निसं)। भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं पराक्रम का प्रतिक बने कारगिल युद्ध विजय की रजत जयंती के उपलक्ष में भारतीय सेना द्वारा आयोजित अरावली साइकिल यात्रा अभियान दल जब डूंगरपुर पहुंचा तो शहरवासियों ने जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर सैनिकों का मनोबल बढ़ाया। वहीं, जवानों का हौसला देखकर शहरवासियों में एक नये उत्साह का संचार हुआ। नसीराबाद से प्रारंभ साइकिल रैली जब डूंगरपुर के मोतली मोड़ पहुंची तो नगर सभापति अमृत कलासुआ, उपसभापति सुदर्शन जैन, कार्यवाहक आयुक्त कुलदीप सिंह, हरीश पाटीदार, डॉ. अरविन्द शर्मा, हरदील अजीज, इमरान आदि ने जवानों का माल्यापर्ण कर स्वागत किया और अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अरावली साइकिल यात्रा अभियान दल का डूंगरपुर में शहरवासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

- शहरवासियों ने जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर सैनिकों का मनोबल बढ़ाया
- भारतीय सेना द्वारा आयोजित अरावली साइकिल यात्रा 1145 किमी की है

सैनिक दल के साइकिल यात्रा के साथ मोतली मोड़ से डूंगरपुर पहुंचने पर ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की प्रमुख संचालिका पद्मा दीदी एवं विजयलक्ष्मी दीदी के सानिध्य में सैकड़ों गणमान्य लोगों द्वारा पुष्प वर्षा के साथ भारत माता के जयकारों के साथ सेना के जवानों में एक नया उल्लास भर दिया। कर्नल डॉ. केसी शर्मा के नेतृत्व में शहर के पूर्व सैनिक किशोर जोशी, ललित मोहन, भोगीलाल परमार सहित बड़ी संख्या में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने अपने सैन्य साथियों से भेंट कर अपने शहर एवं जिले की जानकारी दी। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी आश्रम परिसर में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुये अग्निबाज दल का नेतृत्व कर रहे युवा अधिकारी ने कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के साहसिक एवं विरता से परिपूर्ण प्रदर्शन की जानकारी दी एवं ऑपरेशन विजय के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान कर चुके अमर शहीदो को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही जिले के अमर शहीद कालिया की पत्नी वीरनारी कालीबाई का उपरणा और बुके भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उपनिदेशक सूचना एवं प्रसार विभाग छाया चौबीसा, राजू भाई पंचाल, विनय चौबीसा, प्रवीण श्रीमाल, राजेश जैन, रमेश वरियानी, विनोद पंचाल, हरीप्रसाद शर्मा, भूपेश जोशी, सतीश अग्रवाल, चंदन राव, शारदा मालपाणी, शीतल भट्ट, शिला श्रीमाल, चन्द्रिका पटेल, रमा शाह, अंशुमाला पंचाल, सुभद्रा पण्डया, दक्षा कलाल, प्रतिमा शर्मा, हेमा चौबीसा, गुरमीत कौर सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने माल्यापर्ण स्वागत किया। वहीं बहनों ने कलाई पर रक्षा सुत्र बांधे।

समारोह में शहर के दिल की आवाज ग्रुप द्वारा दी गई प्रस्तुतियों में गायिका नीता जोशी ने जैसे ही ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लों गीत प्रारंभ किया तो शहीदों की याद में उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गई। वहीं गिरीश जोशी, बद्री सुथार ने जलवा तेरा जलवा...गीत गाकर देशभक्ति का समा बांधा जिस पर जवान और उपस्थित लोग थिरकने पर मजबूर हो उठे। कार्यक्रम के दौरान गुरूकुल विद्यालय की बालिकाओं ने शहीद केप्टन विक्रम बत्रा को समर्पित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की, वहीं नवनीत पंड्या, कीमी सोमपुरा आदि ने जवानों के स्वागत में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये।

गुजरात के लिये रवाना हुआ साइकिल अभियान दल:–9 जुलाई को नसीराबाद छावनी से रवाना हुआ अपने चौथे दिन अग्रिबाज साइकिल दल जिले में पड़ाव के बाद अपनी 1145 किमी की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए शनिवार प्रातः 6 बजे रवाना हुआ। इस अवसर पर कर्नल डॉ. के सी शर्मा, विजयलक्ष्मी दीदी, पदमा दीदी, हेमेन्द्र, अरविन्द शर्मा ने झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया और साथ ही शुभकामनाएं भी दी।

राशिफल रविवार 14 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र रात्रि 10:06 तक, शिव योग प्रातः 6:15 तक, बव करण सायं 5:26 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 8:43 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 10:06 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी, परशुरामष्टमी, खरसी पूजा है। आज से अष्टानिक महापर्व आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:27 से 9:09 तक, लाभ-अमृत 9:09 से 12:32 तक, शुभ 2:14 से 3:56 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:19

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात होगी और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जा सकते हैं।

धनु
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
अपने आवश्यक और कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT

UEM
श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Good Education, Good Jobs

IEM - UEM Group | Jaipur and Kolkata

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

Global Ratings: PLATINUM I-GAUGE · PLATINUM I-GAUGE · DIAMOND I-GAUGE · DIAMOND I-GAUGE · DIAMOND I-GAUGE

Times Higher Education Impact Rankings 2024 · GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS · NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK · SHALBY ACADEMY (A Unit of SHALBY LIMITED) · AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION MEMBER · UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act) · AICTE APPROVED · NAAC ACCREDITED · AIU MEMBER

UEM Jaipur is Ranked in The Top Position in North India under Institutions Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

INDUSTRY ASSOCIATED DUAL DEGREE PROGRAM

Admissions Open - 2024-25

APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

CSE DATA SCIENCE - SAS · CSE CLOUD COMPUTING & VISUALIZATION - IBM · BBA DIGITAL BUSINESS - IIDE

"Students may opt for Dual Degree Programs - for example, a student may select Civil Engineering as major degree with CSE as minor degree or vice-versa"

B.TECH

- CSE - ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING (AIML)
- COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING WITH SPECIALIZATION
- Artificial Intelligence & Machine Learning (AIML)
- Block Chain Technology
- Big Data Analytics | Cloud Computing
- Cyber Forensic & Internet Security
- ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING (ECE)
- Robotics & Artificial Intelligence
- VLSI Design & Technology
- Minor in Compute Science
- ELECTRICAL ENGINEERING (EE)
- Electrical & Computer Engineering
- Electrical & Electronics Engineering
- MECHANICAL ENGINEERING (ME)
- Automobile Engineering
- CIVIL ENGINEERING (CE)
- Sustainable Construction Engineering

M.TECH

WITH SPECIALIZATION

- COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING
- Big Data Analytics
- Cloud Computing
- Data Science
- Information Security
- ELECTRICAL ENGINEERING (EE)
- Power System Engineering
- Power Electronics & Drives
- Control System Engineering
- ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING (ECE)
- Communication Engineering
- Micro-Electronics & VLSI
- Radio Frequency & Microwave Engineering
- MECHANICAL ENGINEERING (ME)
- Production Engineering
- Thermal Engineering
- CIVIL ENGINEERING (CE)
- Structural Engineering

BBA/MBA

- BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION
- MASTER OF BUSINESS ADMINISTRATION
- MBA with Dual Specialization
- Marketing • Finance • Human Resource
- Business Analytics

MBA Hospital & Healthcare Management

MBA Executive

BPT/MPT

- BACHELOR OF PHYSIOTHERAPY
- MASTER OF PHYSIOTHERAPY
- Cardiopulmonary | Neurology
- Pediatrics | Orthopaedics
- Musculoskeletal
- Sports

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA

BCA/MCA

- BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION
- Data Science • Cloud Computing
- Big Data Analytics
- Block Chain Technology
- Cyber Forensic & Information Technology
- Artificial Intelligence & Machine Learning
- MASTER OF COMPUTER APPLICATION

M.Sc. in Computer Science

Ph.D

Last Date to apply: 15th July,2024
Entrance Test on : 22nd July,2024

- Computer Science & Engineering
- Electrical Engineering • Civil Engineering
- Mechanical Engineering • Management
- Electronics & Communication Engineering
- Physics • Chemistry • Mathematics
- Humanities • English

Awarded for Zee Rajasthan Awards in Education Excellence 2024

Awarded for Outstanding Placement in Engineering & Management - Domestic & International

Awarded for Excellent Placements in Engineering and Management - Domestic & International

Awarded for Most Trusted University with Skill Based Quality in Education and Best Placements in Rajasthan

Ranked #45 amongst TOP Private University in all over India

Ranked #19 for BCA - All India Private & Government Colleges

MORE 300+ THAN Patents

500+ RESEARCH PAPERS

₹ 5 CRORES+ WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED TO THE MERITORIOUS STUDENTS

₹ 72 LPA HIGHEST ANNUAL SALARY OFFERED

UEM JAIPUR has Highest Funded Patents in Rajasthan from Govt. of India

One of the Best PLACEMENT RECORDS of the Country
Placements at UEM Jaipur Continues till the last willing student is placed

AWARDS & ACHIEVEMENTS OF UEM JAIPUR

Academic Partners: TCS TATA CONSULTANCY SERVICES · IBM · SAS · IIDE THE DIGITAL SCHOOL · CAMBRIDGE

FOREIGN UNIVERSITY COLLABORATIONS UNLV · 岩手県立大学 · GIIM · Brunel University London · RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY · RENNES SCHOOL OF BUSINESS

MORE THAN 8000+ CERTIFICATION HARVARD BUSINESS SCHOOL · edX · LinkedIn Learning · CAMBRIDGE · coursera Education for Everyone

NUMBER OF Students Placed **2375**

NUMBER OF JOB OFFERS **3564+**

COMPANIES VISITED **600+**

5 LABORATORIES ESTABLISHED BY INDUSTRY

STUDY ABROAD PROGRAM
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

One of the Leading University for 6G Projects, Government of India

PARTICIPATE IN OFFLINE **IEMJEE 2024 EXAM** TO AVAIL EXCELLENT **SCHOLARSHIPS**

यू.ई.एम. जयपुर द्वारा राजस्थान की छात्राओं के लिए छात्रवृति योजना

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, Sikar Road, 6 Kms. from Chomu, Jaipur - 303807 (Raj.)
City Office: 210-212, IInd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur | M: 9887933330

9887313330, 9887806930
9887413330, 9887613330

पाटन के ग्राम स्यालोदड़ा स्थित वन विभाग के पहाड़ में हो रहा अवैध खनन

पहाड़ के आसपास लगभग 65 क्रेशर प्लांट लगे हुए हैं, इन सभी क्रेशर प्लांटों पर फर्जी रवन्नाओं से कीमती पत्थर क्वाट्र्जाईट ले जाया जा रहा है

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिले के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा जो हरियाणा राज्य के महेंद्रगढ़ जिले से लगती हुई ग्राम पंचायत है, इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत लगभग 5 किलोमीटर लंबा पहाड़ है जिसको चीड़ीमार पहाड़ के नाम से जाना जाता है, यह पहाड़ वन विभाग में आता है। इस पहाड़ में अवैध खनन हो रहा है, परंतु अवैध खनन के खिलाफ ना तो राजस्थान सरकार कोई कार्रवाई कर रही है और ना ही हरियाणा सरकार कार्रवाई कर रही है, जिसके चलते पहाड़ में प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बेसकीमती मिनरल क्रैशर प्लांटों पर पहुंचाने में लगे हुए हैं तथा मोटी चांदी कूट रहे हैं।

पहाड़ के नजदीक खसरा नंबर 119/2, खसरा नंबर 32, और खसरा नंबर 35 में लगभग 30 क्रेशर प्लांट लगे हुए हैं परंतु अफसोस की बात है कि क्रेशर प्लांटों पर जाने के लिए कोई रास्ता तक नहीं है उसके बावजूद भी वाहनों का आवागमन हो रहा है। प्लांट मालिकों ने वन विभाग की जमीन जिसका खसरा नंबर 1054 जो पावर हाउस में जाने के लिए रास्ता है उसमें से रास्ता निकाला है तथा इसी रास्ते से इनके वाहनों का आवागमन होता है। दूसरा रास्ता तालाब के पास गौचर भूमि के खसरा नंबर 127 से निकाला गया है।

नीमकाथाना की ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा के चीड़ीमार पहाड़ जो कि विभाग में आता है, इस पहाड़ में अवैध खनन हो रहा है।

नियमानुसार खान मालिकों द्वारा निकाले गए दोनों ही रास्ते अवैध है। पहाड़ की लंबाई 5 किलोमीटर के लगभग है तथा 80 प्रतिशत पहाड़ का पश्चिमी ढलान चोटी के हिस्से से राजस्थान में गिरता है तथा पूर्व का शेष हिस्सा हरियाणा में गिरता है। खसरा नंबर 3 खसरा नंबर 60 एवं खसरा नंबर 71 राजस्थान के वन विभाग में गिरता है उसमें अधिकांश अवैध खनन स्यालोदड़ा के लोगों द्वारा किया जा रहा है तथा खसरा नंबर 72 चीड़ीमार पहाड़ की मुख्य चौटी है जो राजस्थान के वन विभाग में आता है।

- स्यालोदड़ा पंचायत के अंतर्गत लगभग पांच किमी लंबा पहाड़ है जिसे चीड़ीमार पहाड़ के नाम से जाना जाता है, यह पहाड़ वन विभाग में आता है

पूर्वी ढलान हरियाणा में गिर रहा है उसमें सर्वाधिक अवैध खनन हरियाणा के गांव ब्रांयल और पांचणोता के लोगों द्वारा किया जा रहा है। पहाड़ के आसपास लगभग 65 क्रेशर प्लांट लगे हुए हैं, इन सभी क्रेशर प्लांटों पर फर्जी रवन्नाओं से बेस कीमती पत्थर क्वाट्र्जाईट जा रहा है। क्रेशर प्लांट मालिकों द्वारा अवैध खनन के कारोबार में जुड़े हुए लोगों से क्वार्टजाईट पत्थर लेते हैं तथा एडजस्टमेंट करने के लिए चंद रूपयों में चेजा पत्थर के रवन्ना लेकर उस माल को एडजस्ट कर देते हैं। हरियाणा के बांयल में और नीमकाथाना के स्यालोदड़ा में लगे सभी क्रेशर प्लांट दाने बनाने के प्लांट है। जिस जगह क्रेशर प्लांट स्थापित है उसके पास ही खसरा नंबर 21 से लगती हुई एक छोटी ढाणी है, जिसमें तीन-चार मकान बने हुए हैं। यहां से रास्ता कटा हुआ है जो उत्तर दिशा से हरियाणा बॉर्डर तक जा रहा है। इस रास्ते के आधार पर ही इन प्लांटों का कन्वर्जन किया गया है, अगर इनकी जांच की जाए तो कन्वर्जन में भी गड़बड़ पाई जाएगी। क्रेशर प्लांट के नजदीकी स्यालोदड़ा ग्राम पंचायत लगती है। पूरे दिन उड़ने वाली धूल-धुआं के कारण पूर्व में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है तथा इतने ही लोग बीमार पड़े हुए हैं।

जिला कलेक्टर नीमकाथाना ने वन विभाग और खान विभाग को चीडी मार पहाड़ में हो रहे अवैध खनन को लेकर पाबंद भी किया है, कि इन प्लांटों पर आने वाले पत्थरों के रवन्ना चेक किए जाये कि उनके पास कौनसे रवन्ना का माल आ रहा है। परंतु लोगों को लगता नहीं है कि उनकी निष्पक्ष जांच हो पाएगी, क्योंकि यह बहुत बड़ा खेल है और इस खेल में खनिज विभाग और वन विभाग दोनों विभागों के शामिल होने का अंदेशा है।

नरेंद्र कुमार, क्षेत्रीय वन अधिकारी पाटन का कहना है कि स्यालोदड़ा ग्राम पंचायत में वन विभाग द्वारा चौकी स्थापित कर दी गई है, राजस्थान की तरफ गिरने वाले पहाड़ में कोई अवैध खनन नंही हो रहा है जो अवैध खनन हो रहा है वह हरियाणा की तरफ हो रहा है।

फुलेरा में जमकर बरसे बादल, चारों ओर पानी ही पानी हुआ

नागरिक परिषद के पास के अण्डरपास में जीप फंस गई।

फुलेरा, (निसं)। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में बीती रात और शनिवार की अलसुबह जमकर बादल बरसे। इसके चलते चारों ओर पानी ही पानी हो गया साथ ही क्षेत्र के निचले भागों में पानी भर गया। इसके चलते आवागमन भी प्रभावित हुआ है।

क्षेत्र में यूं तो इस वर्ष छुटपुट वर्षा तो कई बार हो चुकी है, मगर इस वर्ष की मानसून की पहली तेज बारिश शनिवार को सुबह हुई। इससे खेत खलियान सहित आसपास के इलाकों, आम रास्तों सहित कस्बे के चारों ओर बने लगभग सभी अण्डरपास लबालब हो गए। इसी क्रम में शनिवार की बीती रात करीब 10 से 2 बजे तक तेज हवाओं के साथ रूक रूककर बारिश होती रही। मगर शनिवार को सुबह 7 बजे करीब एक घंटे तक मेघ जमकर बरसे। इसके चलते फुलेरा कस्बे सहित ग्राम पंचायत काचरोदा, पृथ्वीपुरा, जेतपुरा, खेडीराम जाने वाले सड़क मार्ग, आकोदा फुलेरा सड़क मार्ग पर बने दोनों अण्डरपास भर गए। अण्डरपास में पानी भरने से कस्बे का आसपास के गांव से संपर्क लगभग कट सा गया, जबकि क्षेत्र की न्यू कॉलोनी, वरिष्ठ नागरिक परिषद के समीप बने अण्डरपास में पानी अधिक होने के कारण एक सवारी जीप अण्डरपास में फंस गई। गनीमत यह रही कि जीप में बैठे व्यक्ति अपनी जान बचाकर बाहर निकलने में सफल हो गए। वहीं ट्रैक्टर लगाकर अण्डरपास का पानी खाली करवाया गया।

49 लाख की लागत से बन रहा नाला पहली बारिश में टूटा

सुजानगढ़, (निसं)। प्रगति नगर में 49 लाख रुपए की लागत से बन रहा नाला पहली बारिश ही नहीं झेल पाया।

- शुक्रवार रात हुई तेज बारिश में नाले की दीवार टूटकर ध्वस्त हो गई

शुक्रवार रात हुई तेज बारिश में नाले की दीवार टूटकर बिखर गई।

नगर परिषद द्वारा बनवाए जा रहे नाले का निर्माण फरवरी तक होना था, लेकिन कछुआ चाल से चल रहे निर्माण कार्य में गुणवत्ता का भी ख्याल नहीं रखा जा रहा। जिस कारण बारिश के साथ ही नाला टूटकर ध्वस्त हो गया। इस मामले में वार्डवासियों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा नाले के निर्माण में अनियमितता बरती जा रही है, इसके अलावा नगरपरिषद के अधिकारी भी निर्माणाधीन नाले की मॉनिटरिंग नहीं कर रहे हैं। जिसका फायदा उठाते हुए ठेकेदार मनमर्जी से निर्माण कार्य कर रहा है।

प्रगति नगर में बन रहे नाले की दीवार बारिश में टूटकर बिखर गई।

नगर परिषद सभापति नीलोफर गौरी ने कहा कि मौके पर आयुक्त, जेईएन को भेजा जाएगा। नाले का निर्माण जब शुरू हुआ था तब मौके पर गई थी। ठेकेदार को बोल के रिपेयरिंग करवाई जायेगी।

जेईएन कमलेश पूनिया ने बताया कि नाला भारी वाहन के गुजरने व दूसरी गली में पानी एकत्रित होने से टूट गया। संबंधित ठेकेदार को नाले की रिपेयरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

जून माह के वेतन को तरस रहे शिक्षक

अजमेर, (कासं)। प्रदेश के शिक्षकों को जून माह के वेतन भुगतान को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन ने मुख्य सचिव व अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग राजस्थान सरकार को पत्र भेजकर ट्रेजरी के पूल बजट में पर्याप्त राशि आवंटन करने की मांग की है।

शिक्षक संघ राधाकृष्णन के प्रदेश अध्यक्ष विजय सोनी ने बताया पत्र में बताया कि प्रदेश में समस्त कोषालयों में सुगम पूल बजट का प्रावधान किया है, अनेक कोषालय तथा उपकोषालय द्वारा बजट हैड में जून माह के वेतन बिलों पर अपर्याप्त बजट का आक्षेप लगा कर वेतन बिल लौटाए जा रहे हैं, जिससे शिक्षकों तथा कार्मिकों को जून माह का वेतन भुगतान नहीं मिल रहा है। संगठन की जानकारी में आया है कि राज्य सरकार द्वारा 31 जुलाई तक के लिए लेखा अनुदान पारित करने के बाद वित्त विभाग द्वारा सभी कोषालय को बजट जारी किया है।

- बजट में पर्याप्त राशि आवंटित करने की मांग

सोनी ने बताया कि बजट के अभाव में राज्य के हजारों शिक्षकों तथा कार्मिकों को दो माह जून और जुलाई का वेतन नहीं मिल सकेगा। संगठन का मानना है कि केवल व्यवस्था तथा प्रक्रिया के अभाव में राज्य के शिक्षकों तथा कार्मिकों को वेतन से वंचित रखना उचित नहीं है। संगठन ने आग्रह किया है कि राज्य की समस्त कोषालय को आवश्यकता के अनुसार वेतन तथा टीए एवं मेडिकल के लिए तुरन्त पर्याप्त बजट जारी कराया जाए। बजट के अभाव में राज्य के हजारों शिक्षक जून माह के वेतन को तरस रहे हैं।

हैड कांस्टेबल ने परिवादी के घर जाकर रिश्वत ली

नवलगढ़, (निसं)। सीकर एसीबी टीम ने शनिवार को झुंझुनूं के डुमरा गांव में कार्रवाई करते हुए मुकुंदगढ़ थाने के हैड कांस्टेबल संदीप कुमार जाट को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मुकुंदगढ़ थाने में दर्ज पुराने प्रकरण में परिवादी की मदद के एवज में आरोपी हैड कांस्टेबल संदीप कुमार जाट 28हजार रुपये की डिमांड कर लगातार परेशान कर रहा था।परिवादी की ओर से सीकर एसीबी को इसकी शिकायत की गई। सीकर एसीबी की टीम द्वारा एसीबी इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र से मामले का सत्यापन करवाया गया । मामले के सत्यापन के बाद सीकर एसीबी की टीम ने आज जाल बिछाते हुए आरोपी हेड कांस्टेबल संदीप कुमार जाट को डुमरा गांव से 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीकर एसीबी के डीएसपी रविंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी हेड कांस्टेबल रिश्वत की राशि लेने के लिए परिवादी के निवास पर पहुंच गया था, जहां पर एसीबी की टीम पहले से जाल बिछाये हुई थी। जैसे ही हैड कांस्टेबल ने रिश्वत की राशी ली टीम ने इशारा पाते ही आरोपी हैड कांस्टेबल संदीप कुमार जाट को गिरफ्तार कर लिया।

हैड कांस्टेबल संदीप जाट।

- हैड कांस्टेबल परिवादी से 28 हजार की रिश्वत की डिमांड कर रहा था
- दर्ज पुराने प्रकरण में परिवादी की मदद करने की एवज में रिश्वत मांगी थी

सेना कमांडर, दक्षिणी कमान ने कोणार्क कोर का दौरा किया

जैसलमेर, (निसं)। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, सेना कमांडर, दक्षिणी कमान ने कोणार्क कोर का दौरा किया। उन्होंने गठन की सांग्रामिक तैयारियों की समीक्षा की और कोर के अधिकारियों और सैनिकों के साथ बातचीत की। सेना कमांडर को विभिन्न परिचालन, प्रशिक्षण और प्रशासनिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

पीआरओ आर्मी कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार जनरल ऑफिसर को परिचालन और प्रशासनिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न इकाइयों द्वारा किए गए तकनीकी समावेशन के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए गए उपायों का एक सिंहावलोकन दिया गया। उन्होंने उभरती चुनौतियों का सामना करने और संघर्षों की गतिशील प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कोर को भविष्य में तैयार रखने में उनके अथक प्रयासों के लिए सभी हितधारकों की सराहना की। जनरल ऑफिसर ने सभी रैंकों को उभरते खतरों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने, पेशेवर रूप से सक्षम बने रहने और अधिकतम उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम करना जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

- परिचालन, प्रशिक्षण और प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी दी

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, सेना कमांडर, दक्षिणी कमान ने कोणार्क कोर का दौरा किया।

महिला ने की आत्महत्या

निवाई, (निसं)। गांव बाढ़ कुरावदा में शुक्रवार की देर शाम एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दत्तवास थानाधिकारी हेमंत जनागल ने बताया कि महिला की आत्महत्या की सूचना पर पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचकर टोंक से एमआईयू टीम को बुलवाकर मौके से साक्ष्य जुटाए।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। उन्होंने बताया कि मृतका के पिता भोजाराम गुर्जर ने अपनी बेटी की मौत पर असंतोष जताते हुए मजिस्ट्रेट से जांच करवाने की मांग की है। थानाधिकारी ने बताया कि सैपू गुर्जर (23) पत्नी रामकिशोर गुर्जर निवासी बाढ़ कुरावदा ने शुक्रवार की देर शाम को अपने कमरे में फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शनिवार को मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। उक्त प्रकरण में मृग दर्ज कर में मजिस्ट्रेट जांच की जाएगी।

- मृतका के पिता ने मजिस्ट्रेट से जांच करवाने की मांग की

विधि रचनाकार के पदों के लिए भर्ती परीक्षा आज

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से विधि रचनाकार (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन रविवार को दो पारियों में अजमेर व जयपुर जिला मुख्यालय पर होगी। 9 पदों के लिए 13 हजार 64 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। आयोग सचिव राम निवास मेहता ने बताया कि जिला मुख्यालयों अजमेर व जयपुर पर विधि रचनाकार (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 रविवार को दो पारियों में प्रात: 9 से दोपहर 12 बजे तथा दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे तक आयोजित होगी, परीक्षा के लिए 13 हजार 64 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को पहचान के लिए परीक्षा केंद्र पर मूल आधार कार्ड रंगीन प्रिंट के उपस्थित होना होगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं स्लीपर कोच बस में भिड़ंत, 42 यात्री बाल-बाल बचे

हादसे में ट्रैक्टर का चालक घायल, बस में सवार आधा दर्जन यात्रियों के मामूली चोटें आई

हलैना/भरतपुर, (निसं)। जयपुर नेशनल हाइवे-21 पर आए दिन आवारा जानवरों के कारण सड़क हादसे हो रहे हैं और हादसे पर विराम नहीं लग रहा है। शनिवार को तड़के में आवारा जानवरों के झुण्ड के बचाव के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं स्लीपर कोच बस की भिड़ंत हो गई। जिस हादसे में ट्रैक्टर का चालक घायल हो गया और बस में सवार आधा दर्जन यात्रियों के मामूली चोटे आई, जबकि बस चालक-परिचालक सहित 42 यात्री बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार हादसे में ट्रैक्टर के कई टुकड़े हो गए और बस भी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर भी टोल वसूल कम्पनी की सुरक्षा टीम, एम्बूलेंस एवं मेडिकल टीम नहीं आई, जिससे लोगों ने नाराजगी प्रकट की और जयपुर नेशनल हाइवे फोरलेन पर आवारा जानवरों की रोकथाम तथा हादसे पर समय से एम्बूलेंस, मैडिकल टीम एवं सुरक्षा टीम पहुंचने की मांग की।

ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं स्लीपर कोच बस की भिड़ंत में ट्रैक्टर के कई टुकड़े हो गए।

थाना प्रभारी बृजेन्द्र शर्मा ने बताया कि जयपुर नेशनल हाइवे के कस्वा हलैना बस स्टेण्ड के पास आवारा जानवरों के कारण सडक हादसा हो गया। हादसे में भरतपुर से जयपुर की ओर जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं स्लीपर कोच बस टकरा गए। सूचना प्राप्त होते ही एएसआई रामू सिंह मय जाप्ता के घटना स्थल पहुंचे और हादसे में घायल हुए ट्रैक्टर चालक डीग जिले के कस्बा कुम्हेर निवासी दान सिंह जोगी पुत्र रामा जोगी को कस्बा हलैना के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने चालक दान सिंह जोगी की उपचार के बाद छुट्टी कर दी, जबकि स्लीपर कोच बस में सवार करीब आधा दर्जन यात्री के मामूली चोटें आई तथा बस में सवार चालक व परिचालक सहित अन्य यात्री बाल-बाल बच गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे ले लिया, लेकिन ट्रैक्टर चालक दान सिंह जोगी तथा बस के चालक अचल सिंह ने हादसे की रिपोर्ट दर्ज कराने के इंकार कर दिया। हादसे में ट्रैक्टर के कई टुकड़े हो गए।

- आवारा जानवरों के झुण्ड को बचाने के प्रयास में हादसा हुआ

रेल यातायात प्रभावित

अजमेर, (कासं)। उत्तर-पूर्व रेलवे के इज्जतनगर मंडल पर खटीमा बनबसा, शाही पीलीभीत, शाहगढ़ माला व भोपतपुर पीलीभीत रेलखण्डों के मध्य भारी बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर- पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार उपरोक्त कारण के चलते उत्तर-पश्चिम रेलवे पर संचालित कई रेलसेवाएं रद्द रहेंगी, जिनमें गाड़ी संख्या 05097 टनकपुर-दौराई रेलसेवा 15 व 17 जुलाई को रद्द रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05098 दौराई-टनकपुर रेलसेवा 13, 16 व 18 जुलाई को रद्द रहेगी।

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसांमंमं/2024-25/1217 दिनांक- 11.07.2024

-: ई-निविदा सूचना संख्या- 07/2024-25 :-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु उपयुक्त विभाग व श्रेणी एवं निविदा की प्रकृति के अनुरुप पंजिकृत व अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्तें इन्टरनेट वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक- 13.07.2024 को प्रात: 09:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 01.08.2024 सायं 06:00 बजे तक ऑनलाईन जमा किये जा सकते है। निविदाओं का निवदा शुल्क, धरोहर राशि व प्रोसेसिंग फीस श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल के बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा-मण्डफिया के खाता क्रमांक 52430100000001 IFSC-BARB0MANDPH में RTGS/NEFT/IMPS के माध्यम से जमा करवानी होगी। ऑनलाईन प्राप्त निविदाओं की तकनिकी बिड दिनांक- 02.08.2024 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

क्र.	कार्यों का विवरण	UBN
1.	Construction of Road From Tulsi Plaza To Bypass Road	SMM2425WSOB00049
2.	Brass Railing and Gate in Corridor of Shri Sanwaliya Ji Mandir At Mandfiya	SMM2425WSOB00050

मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री साँवलिया जी मंदिर मण्डल

सार-समाचार

विद्यालय में किया वृक्षारोपण

सीकर, (निसं)। रामू का बास स्थित और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मे सरकार द्वारा चलाए गए अभियान के तहत विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया इस दौरान पूर्व सरपंच विजयपाल खीचड़, हरफूल सिंह खीचड़, नेमीचंद खीचड़ ठेकेदार, कृषि मंडी अध्यक्ष नवरंग खीचड़, डॉक्टर विद्याधर खीचड़, गोवर्धन सिंह, झाबर खीचड़, पूर्व पार्षद प्रेमचंद सैनी, सीताराम खीचड़ं बबलू खीचड़, महेंद्र खीचड़,भंवर लाल शर्मा, और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे संस्था प्रधानाचार्य हेमंत खीचड़ ने, बताया कि विभागीय आदेशों के अनुसार विद्यालय में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसके तहत बच्चों को पौधारोपण के रखरखाव के बारे में बताया गया और कहां कि हर व्यक्ति को पेड़ लगाना चाहिए जिससे वातावरण स्वस्थ रहे इस अवसर पर गोकुलपुरा स्थित एमजीएसएस गोकुलपुरा पीईईओ मंजू ढाका और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रिंसिपल सुलोचना देवी भी मौजूद रही। स्कूल अध्यापिका शकुंतला ढाका ने स्कूल के विद्यार्थियों को नोटबुक पेन और पेंसिल सेट वितरण किया,विधार्थियो के द्वारा पर्यावरण के संरक्षण से संबंधित लघु नाट्यय प्रस्तुति किया गया, शारदा फोगावट, गीता देवी मंजू देवी मधुबाला आदि स्कूल का समस्त स्टाफ इस अवसर पर उपस्थित रहे

महिलाएं करेगी अपने उत्पाद की बिक्री

सीकर, (निसं)। अग्रवाल समाज प्रन्यास व अग्रवाल महिला मंडल महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए लघु उद्योग मेले का आयोजन करेंगी महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू लोहिया तथा जिला महामंत्री सन्नू मोदी ने प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि 19 और 20 जुलाई को गढ़ परिसर में स्थित मकराना महल में उक्त आयोजन होगा जिसमें सर्व समाज की महिलाएं अपने द्वारा उत्पादित वस्तुओं को प्रदर्शित करते हुए अपने सामान का विक्रय करेगी सखी सहेली के नाम से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में करीब 28 स्टाले लगाई जाएगी।

कार्यकर्ताओं ने जताया आभार

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान विधुत विनियामक आयोग (आरईआरसी) राजस्थान सरकार में नरेश कुमार भाम्बू को जोनल सदस्य नियुक्त किया है। राजस्थान सरकार द्वारा सम्पूर्ण राज्य में तीनों विद्युत वितरण निगमों के लिए कुल 9 सदस्यों की नियुक्ति आयोग के नियमानुसार की गई है। जिसमें राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम एवं विद्युत लोकपाल अधिनियम के अनुसार नरेश कुमार भाम्बू की नियुक्ति जोनल मुख्य अभियंता, जोधपुर विधुत वितरण निगम लिमिटेड के बीकानेर जोन के लिए की गई है। गौरतलब है कि नरेश कुमार भाम्बू भादरा स्थित विवेकानन्द शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष हैं। इस नियुक्ति पर उनके द्वारा राजस्थान सरकार का आभार व्यक्त किया गया है। ये ठेकेदार मीर सिंह पूनिया के रिलेटिव हैं। नियुक्ति पर मीरसिंह ठेकेदार कालरी, मनोज पूनिया, ओमप्रकाश पूनिया, कृष्ण सांगवान लाखलान, पप्पू, महेंद्र पूनिया, हरपाल सिंह सहित समस्त रिश्तेदार व मित्रगणों आदि ने राज्य सरकार का आभार जताया है।

750 पौधे लगाए

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत भूदोली की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य रोहिताश मीणा के निर्देशन में छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों को 750 पौधे वितरित किये गये, तथा सभी को कहा गया कि आप जितने भी पौधे लगाएं उन पौधों की देखरेख अवश्य करें, जिससे पौधा नष्ट नहीं हो। इस अवसर पर भूदोली सरपंच दिनेश कुमार जांगिड एवं समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। किशन लाल शर्मा द्वारा छात्र- छात्राओं को पौधों की उपयोगिता व महत्वत्ता पर प्रकाश डाला गया।

तीन हजार रूपये का ईनामी शराब तस्करी के आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी की तलाश करते हुए गुडगावां से गिरफ्तार किया गया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थाना पुलिस ने लगभग 1० माह पूर्व अवैध शराब तस्करी के मामले में फरार चल रहे तीन हजार रूपये के ईनामी तस्कर को शनिवार को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण में जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आई.पी.एस. ने बताया कि दिनांक 02 अक्टूबर 2023 को नाकाबन्दी के दौरान

■ **नाकाबन्दी के दौरान चूरू जिले के पुलिस थाना राजगढ की टीम द्वारा एन.एच. 52 पर एक ट्रक में 172 कार्टन अंग्रेजी शराब के जब्त किये थे। लेकिन ट्रक चालक मौका से फरार हो गया था**

चूरू जिले के पुलिस थाना राजगढ की टीम द्वारा एन.एच. 52 पर एक ट्रक में 172 कार्टन अंग्रेजी शराब के जब्त किये थे। लेकिन ट्रक चालक मौका से फरार हो गया था। जिसके बाद अनुसंधान में ट्रक चालक की पहचान पवन कुमार पुत्र मानसिंह निवासी हेतमपूरा जिला

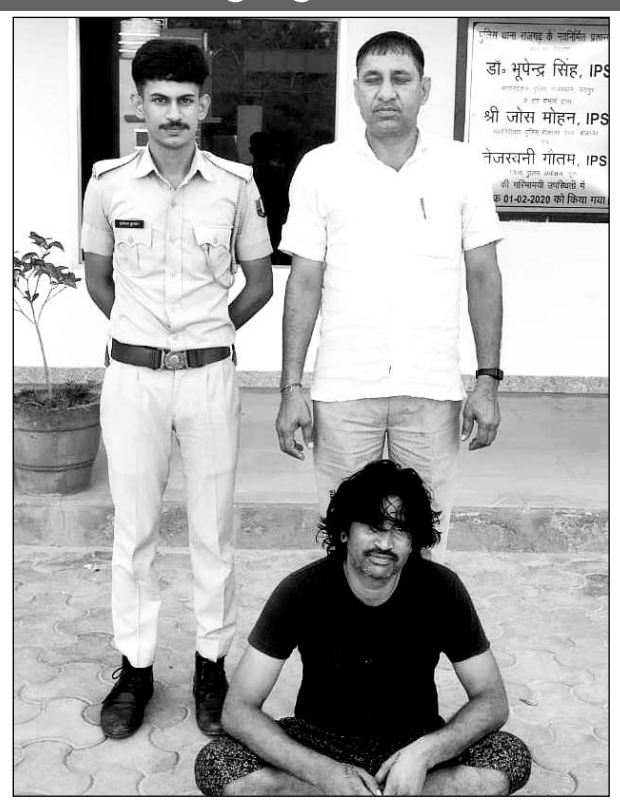

अवैध शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार पुत्र मानसिंह निवासी हेतमपूरा जिला भिवानी हरियाणा

भिवानी हरियाणा के रूप में की जाकर आरोपी चालक की तलाश शुरू की गई।

जिसको लेकर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में किशोरीलाल आर.पी.एस. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ, प्रशान्त किरण आई.पी.एस. सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत राजगढ तथा थानाधिकारी पुलिस थाना राजगढ पुष्पेन्द्र झाझडिया पु.नि. के निकटतम सुपरविजन में गठित टीम ने प्रकरण में आरोपी पवन कुमार की तलाश करते हुए गुडगावां हरियाणा से उसे दस्तयाब कर पुछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुष्पेन्द्र झाझडिया ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में किया जाकर शराब तस्करी के संबंध में पुछताछ जारी है।

उन्होंने बताया कि आरोपी पवन कुमार की गिरफ्तारी पर श्पुलिस अधीक्षक द्वारा तीन हजार रूपये के ईनाम की घोषण की गई थी। तथा आरोपी पूर्व में अवैध शराब तस्करी के मामले में बिहार में भी गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी की गिरफ्तारी की कार्यवाही में नवीन कुमार कानि की विशेष भूमिका रही है। कार्यवाही में टीम सदस्य सुनिल कुमार हैड कानि, नवीन कुमार कानि व करण सिंह कानि पुलिस थाना राजगढ आदि शामिल रहे।

मुहिम शुरू की

पाटन, (निसं)। लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में ओरिएंटल इंश्योरेंस से सेवानिवृत विकास अधिकारी प्रेम कुमार शर्मा ने 11 पेड़ अपनी मां के नाम से लगाने की मुहिम शुरू की है। शर्मा ने बताया की मेरे द्वारा शुरू की गई मुहिम में 11 पेड़ लगाने हैं, वैसे हर व्यक्ति को एक पेड़ अपनी मां के नाम से लगाना चाहिए। पेड़ लगाने के बहुत फायदे हैं परंतु सबसे पहला फायदा तो यह है कि शुद्ध ऑक्सीजन से वायुमंडल दुषित नहीं होगा।

सीएलजी व शांति समिति की बैठक आयोजित

सादुलपुर, (निसं)। मोहर्रम पर्व को लेकर मोहरर्म के मातम जुलूस से पूर्व सीएलजी व शांति समिति की बैठक राजगढ पुलिस थाना परिसर में रखी गई। जिसमें एएसपी किशोरीलाल, प्रशिक्षु आईपीएस प्रशांत किरण, एसएचओ पुष्पेंद्र झाझडिया ने संबोधित कर ताजियों की ऊंचाई, भीड, रास्तों के रूट का चयन व अनुशासन आदि पर चर्चा की। विद्युत विभाग व नगरपालिका कार्मिकों को मौके पर रहने सहित अपने-अपने विभाग संबन्धित जिम्मेदारी भी सौंपी गई। वहीं उपस्थित शांति समिति एवं सीएलजी सदस्यों से शांति व अमन बनाये रखने के साथ-साथ त्योंहार की गरिमा व परंपरा अनुसार पर्व मनाने हेतु निर्देश दिये। बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन मोहता, मंगतूराम मोहता पूर्व चेयरमैन, शिक्षक मनोज पूनिया, सुलेमान पार्षद, पार्षद हैदर अली, श्रवण कुमार सोनी, मकसूद चिश्ती, सुमेर सिंह सिहाग गुलपुरा, ताज मोहमद टी आई, हनीफ शेख, मोहसिन शेख, सुलेमान चौहान, रामकिशन बंसल, सहित नगरपालिका कार्मिक सुदेश जमादार, संदीप जमादार व राहुल जमादार आदि उपस्थित रहे। एवं सुझाव दिए। झूलते तारों की स्थिति, बालू मिट्टी का भराव के साथ साथ ट्रैफिक व जाब्ते की व्यवस्था तथा बिजली बोर्ड व नगरपालिका कार्मिकों की पुलिस के साथ ड्यूटी लगाने पर सहमति हुई।

सार-समाचार

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

नोहर, (निसं)। यहां निकटवर्ती गांव खुईयां में दो परिवारों के बीच जमीन विवाद को लेकर पीछले कई दिनों से जारी धरने पर धरनार्थियों की ओर से असभ्य आचरण एवं एक दुकानदार के साथ हुए विवाद को लेकर आज ग्रामीणों ने धरनार्थियों के खिलाफ थानाधिकारी खुईयां को कार्यवाही करने के लिए ज्ञापन पेश किया। ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की कि धरना शांतिपूर्ण चले व धरने पर किसी प्रकार का असभ्य आचरण ना हो इसके लिए धरनार्थियों को पाबंद किया जाए। मौके पर मौजूद पुलिस उप अधीक्षक ईश्वरसिंह के निर्देशन में थानाधिकारी राजपालसिंह पुलिस थाना खुईयां द्वारा दुकानदार के साथ हुए विवाद का निस्तारण करवा दिया गया । जिसके बाद थानाधिकारी खुईयां राजपाल सिंह ने बताया कि ज्ञापन से उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया दिया गया है, साथ ही कहा कि विवादित मामले की जांच उच्चाधिकारियों द्वारा की जा रही हैं। जिसका जल्द ही विधिवत निस्तारण किया जाएगा।

कूलर व पानी की मोटर भेट

सीकर, (निसं)। श्री गोपाल गौशाला समिति , पालवास, सीकर में भीषण उमस व गर्मी को देखते हुए गो माता के लिए गौशाला को छः 120 लीटर वाले बड़े कुलर , एक पानी की मोटर एवं दो प्लास्टिक पाइप के बंडल ट्यूबवेल से पेड़ पौधों में पानी सप्लाई के लिए भेट की गई है भीषण गर्मी को देखते हुए करणी धाम के मंहत व गौशाला अध्यक्ष संतश्री चन्द्रमा दास महाराज एवं संतश्री अनंत दास महाराज के सानिध्य में अमित सिंह, अभिषेक पालवास, दिवान सिंह, ईश्वर कंवरपुरा, लोकेंद्र, नितिंपाल आदि सदस्यों ने भेट किए इस अवसर पर गोशाला संरक्षक चतुर्भुज कुमावत, उपाध्यक्ष मुकेश खडोलिया , उपाध्यक्ष दिवान सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष कल्याण सहाय शर्मा व सदस्य महेन्द्र सिंह शेखावत ने सदस्यों का दुपटा उढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गोरधन सिंह शेखावत, मगन सिंह, प्रभु दयाल कुमावत, पार्षद भागीरथ सैनी, रामवतार सैनी, विनोद कुमार शर्मा आदि सैकड़ों पालवास ग्रामवासी सीकरवासी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी लोगों ने उपरोक्त सामान देने वाले सदस्यों को धन्यवाद दिया।

कार्यकारिणी का गठन

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे शनिवार को राजस्थान पेंशनर समाज की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज की कार्यकारिणी का गठन करते हुए सर्वसम्मति से ब्रह्मानंद शर्मा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राजस्थान पेंशनर समाज खेतड़ी शाखा के पूर्व अध्यक्ष मालीराम सैनी ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से समाज के हितों को लेकर कार्य कर रहे है, लेकिन वृद्धावस्था होने के कारण उन्होंने अपने पद का त्याग कर दिया। इस दौरान नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए ब्रह्मानंद शर्मा को अध्यक्ष, रामस्वरूप गुर्जर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रामौतार जाट सभाध्यक्ष, विश्वंभर दयाल, तुलसीराम गुर्जर उपाध्यक्ष, कृष्ण कुमार जांगिड़ मंत्री, हरीश कुमार पारीक संयुक्त मंत्री, बाबूलाल सैनी कार्यालय प्रभारी, रमेश कुमार तिवारी संगठन मंत्री, राजेश कुमार सैनी कोषाध्यक्ष, फूलचंद सैनी उप कोषाध्यक्ष, राधेश्याम जांगिड़, विमल कुमार सैनी परामर्शदाता, लीलाधर शर्मा प्रचार मंत्री, भगलाराम सैनी संयुक्त प्रचार मंत्री, रामौतार सैनी संयोजक कार्यक्रम, मोहर सिंह उप संयोजक, महावीर प्रसाद सैनी चिकित्सा प्रभारी तथा मालीराम सैनी को संरक्षक मनोनीत किया गया है। पेंशनर समाज की ओर से नवनियुक्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि पेंशनर्स का डिजिटल कार्य होने के कारण अनेक समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है

कुंड में गिरने से युवक की हुई मौत

सादुलपुर, (निसं)। पहाडसर गांव में खेत में बने पानी के कुंड में गिर जाने के कारण एक युवक की मौत हो गई। शनिवार को दर्ज मामले में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझडिया ने बताया कि गांव पहाडसर निवासी दौलत राम उम्र 33 साल ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 12 जुलाई 2०24 को उसका बडा भाई सुरेंद्र कुमार उम्र 35 वर्ष दोपहर 2.०० बजे लगभग खेत में कीटनाशक दवाई का छिडकाव कर रहा था। खेत पडोसी कुलदीप के खेत में बने पानी के कुंड से पानी लेने के लिए गया तथा पानी के कुंड से पानी निकलते समय पैर फिसल गया तथा संतुलन बिगडने से वह कुंड में गिर गया तथा पानी में डूबने से सुरेन्द्र कुमार की मृत्यु हो गई। पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया तथा शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव उसके परिजनों को सौंप दिया एवं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'एक पेड देश के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हांसियावास में 'एक पेड देश के नाम' अभियान में शनिवार को वृक्षारोपण किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के 6० पौधे लगवाए गए हैं। जिनकी देखभाल की जिम्मेवारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ली है। यह पौधे राजकरण की प्रेरणा से गांव के ही भामाशाह प्रकृति एवं पर्यावरण प्रेमी सुरेश दुग्गल द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे, जो पिछले कई वर्षो से उपलब्ध करवा रहे हैं। इसके अलावा महावीर सिहाग की प्रेरणा से ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा 6० पौधे विद्यालय में तथा लगभग 5०० पौधे खेल मैदान में लगवाए गए हैं। विद्यालय परिसर एवं खेल मैदान में मिलाकर पेड पौधों की संख्या हजारों में पहुंच गई है, जो विद्यालय एवं खेल मैदान में हरियाली की छटा बिखेर कर विहंगम दृश्य का निर्माण करते हैं। इस अवसर पर संस्था प्रधान अनिल कुमार ने ग्राम

■ **यह पौधे राजकरण की प्रेरणा से गांव के ही भामाशाह प्रकृति एवं पर्यावरण प्रेमी सुरेश दुग्गल द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे, जो पिछले कई वर्षो से उपलब्ध करवा रहे हैं**

पंचायत सरपंच, सुरेश दुग्गल, विद्यार्थियों और शिक्षको की सराहना कर आभार जताया। शारीरिक शिक्षक समीर पूनिया ने वृक्षों की महत्ता और पर्यावरण संतुलन में भूमिका से अवगत करवाया। इस अवसर पर राजकरण, शाहिद खान, मनिता कुमारी, नरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश, हरपाल, मंदीप, कुलदीप, सुमन, राहुल एवं विनोद सोनी आदि उपस्थित रहे।

राजगढ न्यू कोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत में 1344 प्रकरणों का रिकॉर्ड निस्तारण

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू के अध्यक्ष रविन्द्र कुमार (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) के नेतृत्व में शनिवार 13 जुलाई 2०24 को ताल्लुका विधिक सेवा समिति राजगढ न्यायक्षेत्र में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु दो बैंच का गठन किया गया। बैंच प्रथम में दीपक पाराशर एडीजे-प्रथम अध्यक्ष, इमरान पठान तहसीलदार सदस्य राजस्व मामले, मेवा सिंह सदस्य, बैंच संख्या-2 में लिलूराम सिहाग ऐसीजेएम अध्यक्ष, प्रेम सिंह बीका सदस्य आदि थे। वहीं इस वर्ष 2०24 की द्वितिय राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर पक्षकारान एवं अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखा गया। साथ ही राजस्व मामलों के निस्तारण में भी ग्रामीणजनों

■ **करीब 2 करोड 77 लाख 57 हजार 645 रूपये के अवार्ड पारित**

की भागीदारी उल्लेखनीय रही। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में एडीजे कोर्ट प्रथम के 133 राजस्व मामलों एवं ०1 करोड 1० लाख 1०,००० रूपये का अवार्ड, एडीजे कोर्ट द्वितीय के 89 मामले एवं 32 लाख 83,००० रूपये का अवार्ड, एसीजेएम कोर्ट के 179 मामले एवं एनआई एक्ट में 99 लाख 77 हजार 826 रूपये की वसूली, जेएम कोर्ट के 123 एनआई एक्ट में 28 लाख 37 हजार 863 रूपये की वसूली की जाकर आपसी रजामंदी से प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम न्यायालय के 54 मामलों एवं प्रिलिटिगेशन के 775 मामलों का निस्तारण हुआ। ताल्लुका विधिक सेवा समिति स्तर पर कुल 1344 मामलों का निस्तारण कर करीब 2 करोड 77 लाख 57 हजार 645 रूपये के अवार्ड भी पारित किये गये।

इन प्रकरणों में समझाईश से कई वैवाहिक मामलों का भी निस्तारण किया गया। इस लोक अदालत में एसडीएम सुशील कुमार सैनी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह राठौड के अलावा उपस्थित समस्त अधिवक्तागण, एसबीआई सादुलपुर से कपिल पूनियां, एसबीआई हमीरवास से नकुल राठौड, एसबीआई मदीना मार्केट से अमित नाई, एसबीआई सिद्धमुख से विष्णु कुमार, एसबीआई नवल जांगिड, बीएसएनएल से विक्रम सिंह व सतीश पूनियां, एसबीआई आरएएसी से ओ.पी चन्देल, बीओबी बैक से राकेश कुमार व हर्षविन्दर सिंह आदि उपस्थित रहे।

महर्षि ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

रतनगढ़, (निसं)। भाजपा राजस्थान की वृहद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शनिवार को जयपुर में आयोजित हुई। बैठक में रतनगढ़ के पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि व रतनगढ़ भाजपा के अन्य पदाधिकारियों के साथ शामिल हुए। इस दौरान पूर्व विधायक महर्षि ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर रियायती पट्टो को बनाने की समयावधि बढ़ाने की मांग की। पट्टो की सैकड़ों फाइलें अभी भी नगरपालिकाओं में लंबित चल रही है जिससे वंचित व अल्प आय वाले आमजन को सस्ते पट्टे बनाने का सुलभ लाभ नही मिल पा रहा है इस के साथ ही राजलदेसर तहसील कार्यालय में जन्म मृत्यु पंजीकरण कार्य शुरू करवाने एवम राजकीय महाविद्यालय राजलदेसर में वाणिज्य व विज्ञान संकाय स्वीकृत करवाने व कला संकाय में 100 सीटे बढ़वाने की मांग रखी। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व विधायक महर्षि के सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र समाधान का सकारात्मक आश्वासन दिया।

चूरू प्रभारी सचिव भास्कर ए सांवत ने प्रस्तावित सेटेलाइट अस्पताल का किया निरीक्षण

प्रभारी सचिव भास्कर ए सांवत ने सेटेलाइट अस्पताल में क्रमोन्नत किए जाने वाले जिला मुख्यालय पर गढ़ स्थित शहरी पीएचसी का निरीक्षण किया।

चूरू, (कासं.)। प्रभारी सचिव भास्कर ए सांवत ने बजट घोषणा के अनुसार सेटेलाइट अस्पताल में क्रमोन्नत किए जाने वाले जिला मुख्यालय पर गढ़ स्थित शहरी पीएचसी का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक गढ़ भवन हैरिटेज संपत्ति है। इसे देखते हुए इस तरह से सेटेलाइट अस्पताल डवलपमेंट का प्रस्ताव तैयार करें कि इसका हैरिटेज लुक भी बरकरार रहे और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार सुविधाएं भी डवलप हो सकें। उन्होंने सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा से कहा कि चिकित्सा आवश्यकताओं को देखते हुए एनएचएम से एस्टीमेट और प्लान तैयार करवाएं ताकि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार भविष्य में इसका लाभ आमजन को मिल सके। इस दौरान उन्होंने गढ़ परिसर में ही स्थित एमसीएच विंग का निरीक्षण किया तथा दवा, प्रसव, बेड व्यवस्था आदि व्यवस्थाओं की जानकारी ली। शिशु रोग चिकित्सक डॉ सुधीर सोनी ने व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की। इस मौके पर जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी, एडीएम उत्तमसिंह शेखावत, चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह सहित अधिकारीगण मौजूद रहे।

खेतड़ी के लिए वरदान साबित होगा यमुना नहर का पानी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने विधानसभा में यमुना नहर को खाली पड़े ऐतिहासिक बांधों से जोड़ने की मांग की है। उन्होंने विधानसभा में मुद्दा उठाते हुए कहा कि राजस्थान सरकार की ओर से शेखावाटी के लिए यमुना नहर का पानी लाने के किए जा रहे प्रयास क्षेत्र के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण कदम है। शेखावाटी की तीनों जिलों में वर्तमान में पेयजल की समस्या बनी हुई है। झुंझुनूं जिले का अधिकांश क्षेत्रों में भूजल स्तर काफी नीचे चले जाने लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार ने यमुना नहर के पानी को लेकर डीपीआर बनाकर जल्द पाइप लाइन के जरिए पानी लाने के प्रयास किए जा रहे है। ऐसे में रियायत काल में खेतड़ी क्षेत्र में बांध बनाए गए थे, जो वर्तमान में पानी की कमी होने के कारण खाली पड़े हैं। पहले इन बांधों में पानी होने से क्षेत्र के लोगों की प्यास बुझाई जाती थी। अब पानी नहीं होने से क्षेत्र के लोगों के सामने पेयजल का संकट बना हुआ है। सरकार की ओर से खेतड़ी के अजीत सागर बांध, मोड़ी ईलाखर बांध, रंवा बांध व काला भूजा बांध को यमुना नहर से जोड़कर इनमें पानी डालना चाहिए। इन चारों बांध में पानी आने से क्षेत्र के लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इस दौरान विधायक ने सरकार से शेखावाटी में आने वाली नहर से बांधों में पानी डालने की मांग की है। विधायक ने कहा कि यमुना नहर का पानी क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान साबित होगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा के जरिये प्रकरणों का किया निस्तारण

चूरू, (कासं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला एवं सेशन न्यायाधीश रविन्द्र कुमार के निर्देशन में चूरू न्यायक्षेत्र में न्यायालयों एवं जिला वैकल्पिक विवाद निस्तारण केन्द्र में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

■ **चूरू न्यायक्षेत्र में कुल 12 बैंचों का गठन किया गया है। जिसमें से चूरू मुख्यालय के लिए तीन बैंचों की अध्यक्षता के लिए जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया है**

किया गया।

चूरू न्यायक्षेत्र में कुल 12 बैंचों का गठन किया गया है। जिसमें से चूरू मुख्यालय के लिए तीन बैंचों की अध्यक्षता के लिए जिला एवं सेशन न्यायाधीश रविन्द्र कुमार, जिला

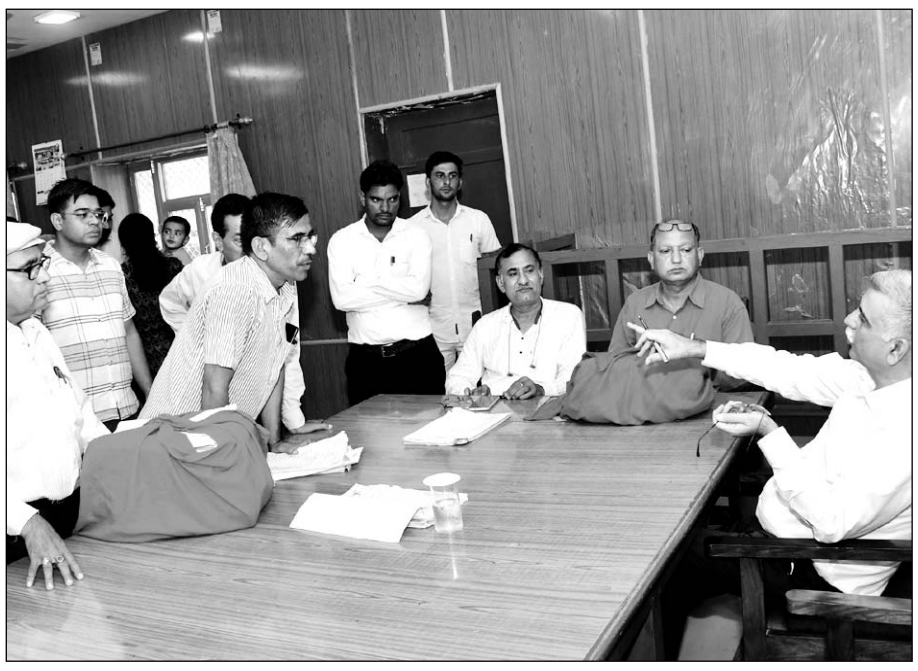

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला एवं सेशन न्यायाधीश रविन्द्र कुमार के निर्देशन में चूरू न्यायक्षेत्र में न्यायालयों एवं जिला वैकल्पिक विवाद निस्तारण केन्द्र में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेणु सिंगला को नियुक्त किया गया है। सदस्य अधिवक्ता के रूप में संजीव वर्मा, रामेश्वरलाल प्रजापत व अब्दुल गफ्फार को नियुक्त किया गया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेणु सिंगला ने बताया कि लोक अदालत में पक्षकारों के प्रकरणों के निस्तारण से भाईचारे की भावना का विकास होता है। पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है। लोक अदालत में प्रकरण के निस्तारण से किसी भी पक्षकार की हार नहीं होती है। सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास ने राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रकरणों का जरिये राजीनामा निस्तारण पर सभी पक्षकारों को बधाई दी गई।

लोक अदालत में पक्षकारों ने अपने-अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों को लेकर काफी उत्साह रहा तथा अधिक से अधिक प्रकरणों में राजीनामा निस्तारण के प्रयास किये गये जो पक्षकार ने इस लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निस्तारण नहीं करवा पाये उन्हें आगामी लोक अदालत में अपने प्रकरणों के निस्तारण के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में राजस्व मामलों का भारी संख्या में निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में विनोद दनेवा, नरेन्द्र राठौड़, शेर सिंह पूनिया, सुमेर सिंह आदि उपस्थित रहे। सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में चूरू जिले में कुल 31407 प्रकरणों को रैफर किया गया। जिनमें चूरू न्यायक्षेत्र में कुल 23352 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। चूरू मुख्यालय पर 726 लंबित एवं 3022 प्री.लिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण कर अवार्ड जारी किया गया।

कार्यालय तहसीलदार राजगढ (चूरू)

क्रमांक- भू.अ./2024/2570 दिनांक-12.07.2024

आम सूचना

हर आम को सूचित किया जाता है कि स्व. कुंदनलाल पुत्र भैराराम जाति अहीर निवासी मकान नं. ए-40 राजेन्द्रा पार्क गुरूग्राम हरियाणा के द्वारा अपने जीवनकाल में रोही रावतसर कुंजला स्थित अपनी कृषि भूमि खाता संख्या 33 खसरा नंबर 515 तादादी 6.61 हैक्टेयर में से अपने 1/2 हिस्से की एकमात्र अंतिम वसीयत दिनांक 29.05.2024 को पंजीकृत होकर अमरजीत सिंह यादव, श्री राधे कृष्ण पुत्रगण कुंदनलाल जाति अहीर निवासी मकान नं. ए-40, राजेन्द्र पार्क गुरूग्राम हरियाणा के पक्ष में निष्पादित की गई है।

प्रकरण नामांतरण दर्ज करवाने हेतु इस न्यायालय में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति आम या खास को उक्त वसीयत बाबत कोई उजर तथा आपत्ति हो तो उक्त सूचना के प्रकाशन के 10 दिवस में इस न्यायालय में प्रस्तुत कर देवें। अन्यथा बाद मियाद गुजरने के एक पक्षीय कार्यवाही कर दी जावेगी।

तहसीलदार (भू.अ.) राजगढ़

15 लाख रूपये का अवैध गांजा व डोडा-पोस्त जब्त, दो गिरफ्तार

मालपुरा थाना पुलिस ने डीएसटी टीम के साथ अजमेर रोड पर नाकाबंदी में कार्रवाई की

अवैध गांजा व डोडा-चूरा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया।

मालपुरा, (निसं)। लोकल एवं स्पेशल एक्ट के तहत अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत मालपुरा थाना पुलिस व जिला विशेष शाखा की डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से मालपुरा-अजमेर सड़क मार्ग पर हाथगी मोड़ के पास नाकाबंदी में मारूति वैन में ले जाया जा रहा 15 लाख रूपये का गांजा व डोडा -ोस्त के साथ मारूति वैन को जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने बताया कि एसपी के आदेशानुसार एएसपी रामकुमार कस्वा व डीएसपी महेन्द्र कुमार मीणा के सुपरविजन में डीएसटी व थाना पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से मुखबीर की सूचना के मुताबिक एक मारूति कार को रोक तलाशी ली, जिसमें कार में रखा 43 किलो 254 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रूपये तथा 10 किलो 209 ग्राम अवैध गांजा जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रूपये, बरामद हुये। कार सवार दोनों युवकों से पूछताछ करने पर संतोषप्रद जवाब नहीं दिये जाने पर अवैध डोडा व गांजा सहित मारूति वैन को जब्त कर आरोपी जब्बार खां मनफूल खां पिनारा व महबूब खां पुत्र ईद मोहम्मद पिनारा दोनो हाल निवासी केकडी रोड भांसू थाना टोडारायसिंह को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट मे मामला दर्ज कर अनुसंधान डिग्गी थानाधिकारी कप्तान सिंह को सौंपा गया।

कार्रवाई के दौरान डीएसटी टीम प्रभारी हरिमन मीणा, थानाधिकारी चेनाराम बेडा, कांस्टेबल देवीशंकर, कपिल, नन्दाराम, राजेन्द्र, राधाकिशन, सोमपाल, कन्हैयालाल सहित साईबर सेल के कांस्टेबल शामिल रहे। अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध क्षेत्र के चारों थानों की पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्यवाही नहीं किये जाने तथा मालपुरा शहर व ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे गांजा व डोडा सप्लाई के ठिकानों पर छापामार कार्यवाही नहीं किये जाने के परिणामस्वरूप क्षेत्र में गांजा व डोडा जैसे मादक पदार्थों की बिक्री भी धड़ल्ले से हो रही है। पुलिस का खोफ लोगों के मन से निकल जाने के चलते गांजा व डोडा से भरी सिगरेट शहर में होटल व ढाबों के साथ-साथ चाय की थडी व परचून की दुकान पर भी युवाओं को आसानी से परोसी जा रही है।

युवक ने अपनी पत्नी के प्रेमी पर मारपीट का आरोप लगाया

युवक ने न्याय की मांग को लेकर भीलवाड़ा कलेक्ट्री गेट पर हंगामा खड़ा किया

सुभाष नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने न्याय की मांग को लेकर कलेक्ट्री गेट पर हंगामा किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने अपनी पत्नी के प्रेमी पर मारपीट का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग को लेकर कलेक्ट्री गेट पर हंगामा खड़ा कर दिया। पीड़ित शंभू पिता बगतू रैगर ने बताया कि तीन मई को रात्रि में वह अपने परिवार के साथ घर पर सो रहा था।

इस दौरान किशन पुरी पिता नानुराम निवासी मठ मोहल्ला, सांगानेर अपने कुछ साथियों के साथ घर पर आया और अश्लील गली-गलौच करते हुए मकान में घुसने की नियत से तोड़फोड़ की। जब उसकी मां ने छत पर जाकर देखा तो उन पर पत्थर फैंके गए, जिसकी सूचना 112 पर देने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची जिससे पूर्व किशन अपने साथियों के साथ भाग निकला। 11 मई को दिन में किशन फिर से उसके घर पर आया और शंभू को जातिसूचक गलियां निकालते हुए मारपीट की। बीच-बचाव के लिए आई मां हरकू और 8 साल की बेटी दुर्गा के साथ भी मारपीट की।

पीड़ित का कहना है कि उसकी पत्नी और किशन के बीच अवैध संबंध है जिसके कुछ सबूत उसके पास मौजूद हैं जिसके चलते किशन उससे रंजिश रखता है और सबूत मिटाने की नियत से ही उसके घर पर हमला किया गया। पीड़िता ने सुभाष नगर थाने में जब रिपोर्ट तो सांगानेर चौकी पर तैनात कांस्टेबल महादेव जाट ने मामले की जांच शुरू की।

पीड़ित का कांस्टेबल महादेव जाट पर रिश्वत लेने और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने का आरोप हैं। कलेक्ट्री गेट पर हंगामे की सूचना पर सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर मौके पर पहुंचे और समझाइश का प्रयास किया। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत दी है।

21 किलो पिस्ता खुर्द-बुर्द करने का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडलनाथ स्थित सुचेता कृपलानी महाविद्यालय के पास वर्ष 2022 में एक कार और ट्रक में दुर्घटना हुई थी। कार में सवार चार लोग घायल हो गए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। मामले की जांच करवड़ थाने के एक हैडकांस्टेबल द्वारा की गई। मगर जांच सही नहीं करने और कार से 21 किलो पिस्ता गायब करने आरोप अब लगा है।

कोर्ट से मिले इस्तगासे में करवड़ थाने के हैडकांस्टेबल और तत्कालीन थानाधिकारी को आरोपी बताया गया है। करवड़ पुलिस ने अब मामला दर्ज किया है। मामले को लेकर बड़ाबास मथानिया के श्रवणकुमार पुत्र फूसाराम, गोलीयाली बेरा मथानिया निवासी श्यामसुंदर पुत्र जगदीश, झरबबेरा मथानिया निवासी सुरेश पुत्र झूमरलाल परिहार एवं मथानिया बस स्टेण्ड के पास रहने वाले रवि पुत्र हनुमान गोयल की तरफ से संयुक्त रिपोट दर्ज कराई गई है।

इसमें बताया कि 12 दिसम्बर 22 को यह लोग श्रवण कुमार की कार लेकर जोधपुर से मथानिया की तरफ जा रहे थे। तब माणकलाव के पास सुचेता कृपलानी महाविद्यालय के सामने एक ट्रक चालक ने कार को टक्कर मार दी। जिससे तीन गंभीर घायल श्रवण कुमार, श्यामसुंदर एवं सुरेश परिहार को एमडीएम रैफर किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार 13 दिसम्बर को इसमें मुरलीधर पुत्र सोहनलाल की तरफ से ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई। जिसकी पहचान मणाई निवासी सुमेर नाई के रूप में की गई थी। घटना के समय नरपत नाम के एक शख्स ने वीडियो बनाया था जिसमें ट्रक चालक सुमेर नाई होना प्रतीत हुआ था। इस प्रकरण में जांच करवड़ थाने के हैड कांस्टेबल देवकरण की तरफ से जांच आरंभ की गई।

रिपोर्ट में आरोप है कि हैड कांस्टेबल देवकरण ने जांच सही नहीं की और ट्रक का चालक पुरानी भाखरी बास निवासी मदनलाल को बता कर चार्ज शीट पेश कर दी। चूंकि श्यामसुंदर मथानिया बस स्टेण्ड के पास में न्यू परिहार नाम से मिठाई की दुकान संचालित करता है। उस दिन यह लोग मंडोर मंडी से 21 किलो पिस्ता लेकर लौट रहे थे। कार में पिस्ता था वह खुर्द-बुर्द कर दिया गया। जांच अधिकारी को पिस्ता के बारे में जिक्र किया तो कहा कि वह मालखाने में है और चार्जशीट में उसका जिक्र कर दिया गया है। मामले में 16 जनवरी 23 को चार्जशीट पेश की गई थी। रिपोर्ट में परिवादियों ने आरोप लगाया कि हैड कांस्टेबल देवकरण ने सही जांच नहीं की और 21 किलो पिस्ता को खुर्द-बुर्द करने के साथ ट्रक का चालक भी किसी और को बताकर मुल्जिम बना दिया। इसमें तत्कालीन थानाधिकारी पर भी आरोप लगाया गया है कि उनकी देखरेख में काम होता रहा, मगर उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

साढ़े पांच वर्षीय बालक की पीटाई व अपशब्द का आरोप

अध्यापक के खिलाफ परिजनों ने शिकायत दी

सादुलपुर, (निसं)। चूरू जिले के राजगढ़ में दुर्गादत भक्कड राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय इन्दिरा कॉलोनी में एक साढे पांच वर्षीय बालक के साथ विद्यालय के अध्यापक द्वारा मारपीट कर दुर्व्यवहार करने के आरोप का मामला सामने आया है।

घटना की सूचना पर शनिवार को विद्यालय पहुंचे चाईल्ड हैल्प लाईन 1०98 टीम के सुभाष कुमार सैनी सुपरवाईजर ने बताया कि 1098 के तहत सूचना मिली कि राजगढ़ के अन्दर इन्दिरा कॉलोनी वार्ड 33 में स्थित दुर्गादत भक्कड राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में राजेश कुमार नामक एक अध्यापक है, जो एक बच्चे के साथ मारपीट कर दुर्व्यवहार किया है। सूचना मिलने पर चाईल्ड हैल्प लाइन टीम चूरू के समन्वयक पन्नेसिंह के दिशा निर्देशन में टीम के सुभाष कुमार सैनी सुपरवाईजर एवं निखिल सिंह कैस वर्कर विद्यालय पहुंचे, जिन्होंने बालक के परिजनों, विद्यालय के प्रधानाध्यापक चक्रघर शर्मा एवं आरोपी शिक्षक राजेश कुमार से घटनाक्रम के बारे में पूछताछ कर बालक के परिजनों एवं आरोपी अध्यापक राजेश कुमार को चाईल्ड हैल्प लाईन टीम कार्यालय चूरू में पेश होने के आदेश दिये हैं। मौके पर सीबीईओ बबलेश शर्मा एवं नोडल प्रधानाचार्य सुरेन्द्र सिंह पूनियां ने भी विद्यालय पहुंचकर बालक के परिजनों, विद्यालय प्रधानाचार्य एवं आरोपी शिक्षक से पूछताछ कर आगामी कार्यवाही शुरू की है।

सीबीईओ बबलेश शर्मा ने बताया कि बालक के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार की सूचना मिली है तथा आगामी कार्यवाही हेतु जिला शिक्षा अधिकारी चूरू को जानकारी दी गई है। इसी दौरान आरोपी शिक्षक राजेश कुमार ने मीडिया के सामने घटनाक्रम को जानकारी नहीं देते हुए कहा कि मैं पत्रकारों को जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं हूं।

प्रधानाध्यापक चक्रघर शर्मा ने बताया कि बालक के साथ शिक्षक द्वारा मारपीट व दुर्व्यवहार करने की शिकायत बालक के परिजनों से मिली है तथा आज सीबीईओ बबलेश शर्मा, नोडल प्रधानाचार्य सुरेन्द्र सिंह पूनियां एवं चाइल्ड हैल्प लाइन चूरू की टीम आई थी, जिसको लेकर मैंने उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया है तथा आगामी कार्यवाही का आश्वासन दिया है। बालक के परिजन असलम ने बताया कि छोटे भाई का लड़का फर्स्ट टाईम विद्यालय आया है तथा बालक के साथ राजेश कुमार (पांचाल) अध्यापक ने बच्चे की बिना वजह पीटाई की है तथा बच्चों को अपशब्द व जातिवादी शब्द बोलता है तथा ना ही अपनी गलती स्वीकार कर रहा है, जिसको लेकर हमने बाल कल्याण समिति में शिकायत की है।

पुरानी रंजिश को लेकर दो गुट भिड़े

टोंक, (निसं)। पुरानी रंजिश के चलते कोतवाली थाना क्षेत्र के कंपू इलाके स्थित स्मार्ट बाजार के पास दोपहर को दो गुटों के युवक आपस में भीड गये, जहां चाकूबाजी की घटना में एक युवक जिसका नाम रामखिलाडी मीणा जो मीणो की ढाणी बनेठा का बताया गया है, को गम्भीर हालत में जिला मुख्यलाय स्थित सआदत चिकित्सालय में भर्ती कराया गया गया। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया। थाना पुलिस चाकूबाजों की तलाश में जुटी है। वृताधिकारी राजेश विद्यार्थी ने बताया कि हमलावरों की तलाश जारी है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

बेकाबू होकर पलटा ट्रक, चालक की मौत

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के निहालगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात मिड-वे के पास एक ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में ट्रक ड्राइवर सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन घायलों को लेकर आगरा चले गए, जहां इलाज के दौरान ट्रक ड्राइवर ने दम तोड़ दिया। इसके बाद ट्रक ड्राइवर के शव को शनिवार सुबह जिला अस्पताल धौलपुर लाया गया। मृतक ट्रक ड्राइवर 45 वर्षीय अब्दुल वहीद पुत्र रफीक निवासी हापुड़ के शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

परिजनों ने बताया कि ट्रक अब्दुल वहीद अपने पुत्र छोटू और क्लीनर पप्पू के साथ ट्रक में केला भरकर मध्यप्रदेश से हापुड़ की ओर आ रहा था। तभी धौलपुर में मिड-वे के पास अचानक उसका ट्रक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद देर रात को मौके पर पहुंची पुलिस तीनों घायलों को लेकर जिला अस्पताल धौलपुर पहुंची, जिसके बाद घायलों के परिजनों को जिला अस्पताल बुलाया गया। ट्रक में मौजूद तीनों लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए परिजन आगरा के अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान ट्रक ड्राइवर ने दम तोड़ दिया।

अवैध खनन के खिलाफ पांच विभागों ने कार्रवाई की

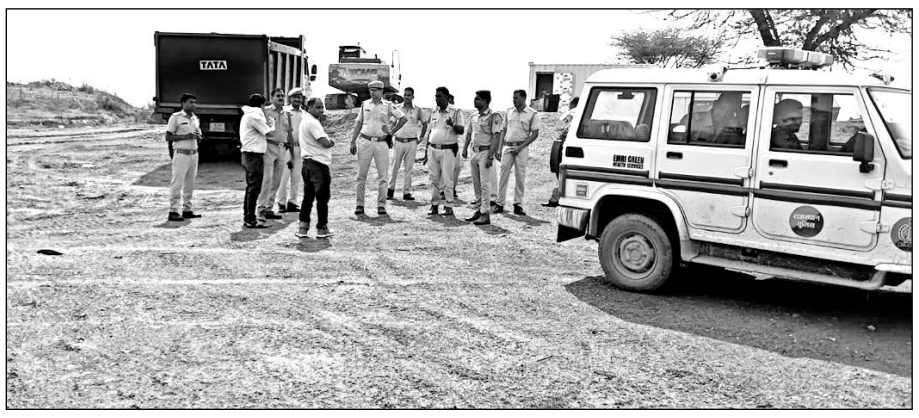

खेतड़ी क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर पांच विभागों ने कार्रवाई कर बजरी जब्त की।

- टीमों ने बेसरड़ा बजरी प्लांट से चार टन बजरी जब्त की
- अवैध खनन बंद करने की मांग कर चुके हैं ग्रामीण

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर पांच विभागों की ओर से संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। इस दौरान चार टन बजरी भी जब्त की गई है। खेतड़ी क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन के कारोबार को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं व विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे मनोज घुमरिया की विरोध प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन दिए गए थे, जिसको लेकर जिला कलेक्टर ने तीन दिन पहले ही प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे।

मेहाड़ा थानाधिकारी राजवीर सिंह शेखावत ने बताया कि जिला कलेक्टर व रेंज आईजी के निर्देश पर पुलिस, खनिज, राजस्व विभाग, वन विभाग, परिवहन विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर अवैध खनन, निर्गमन, भंडारन के खिलाफ औचक निरीक्षण कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। टीमों ने संयुक्त रूप से अवैध खनन, निर्गमन, भंडारन के लिए दुधवा, टीबा बसई नदी, बेसरड़ा व जमालपुर गांव में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेसरड़ा गांव के बंद अवस्था में पाए गए पहलवान कंट्रेक्शन एंड स्टोन बजरी वांशिग प्लांट के कंवेयर के पास करीब चार टन बजरी का स्टॉक मिला। खनिज विभाग द्वारा बजरी को जब्त कर लिया।

थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि अवैध खनन के शामिल लोगों पर विशेष निगरानी की जा रही है तथा यदि कोई अवैध खनन करता पाया गया तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। खेतड़ी क्षेत्र में अवैध खनन व ओवरलोड डंपरों का संचालन अधिक होने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर भी विधानसभा में अवैध खनन का मुद्दा उठाकर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग कर चुके हैं। इसके अलावा ग्रामीणों की ओर खेतड़ी क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे अवैध खनन को बंद करवाने को लेकर शुक्रवार को एसडीएम को ज्ञापन देकर आंदोलन की चेतावनी दी थी।

महिला के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर महंगा फोन फाइनेंस कराया

अजमेर, (कासं)। एक महिला के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल करते हुए महंगा फोन फाइनेंस कराने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने क्लॉक टावर थाने में दुकानदार और एजेंट के खिलाफ धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस में दी शिकायत पीड़िता ने बताया कि धोखाधड़ी का पता तब चला जब फाइनेंस कंपनी से बकाया ईएमआई चुकाने के लिए फोन आया। महिला ने कहना है कि उसने जो फोन लिया उसकी किस्त पूर्व में ही चुका दी थी और दूसरा अन्य कोई फोन लिया ही नहीं। पुलिस ने महिला की शिकायत पर दुकानदार व एजेंट के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जटिया कॉलोनी पहाड़गंज अजमेर निवासी लता खोरवाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 जनवरी 2020 को सेंट ऐन्सलम स्कूल के सामने मैसर्स श्री कृष्णा इलेक्ट्रिक एंड मोबाइल शॉप से 11 हजार 999 का मोबाइल पसंद कर फाइनेंस के लिए बोला था, जिस पर दुकानदार ने एक युवक को फोन कर बुलाया। युवक ने खुद को होम क्रेडिट इंडिया फाइनेंस लिमिटेड का एजेन्ट बताया। उसने आधार कार्ड, पेन कार्ड व बैक खाते सम्बन्धित दस्तावेज लिए तथा उसी समय दुकान पर फोटो ली। हर माह की किश्त 1547 रुपए जो छह माह तक पंजाब नेशनल बैंक के खाते से चुकाई। उसके कुछ माह बाद ही एक दो बार मोबाइल किश्ते बकाया होने के लिए कॉल आया, तब फाइनेंस कंपनी में जाकर पता किया तो बताया कि कोई किश्त बकाया नहीं है।

पीड़ित महिला लता खोरवाल ने बताया कि इसके बाद कोई कॉल नहीं आए लेकिन अब वापस कॉल आने लगे। उसके रिश्तेदारों के फोन पर कॉल कर लगातार धमका रहे हैं कि हम होम क्रेडिट इंडिया फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से बोल रहे हैं, लोन चुकाओ, नहीं तो केस करेंगे। मई 2024 में एक विधिक नोटिस मिला, जिसमें बताया कि मोबाइल पर लोन ले रखा है, जिसकी बकाया राशि 26 हजार 771 रुपए का भुगतान करें। जब इसका पता किया तो पाया कि वन प्लस वर्ड का मोबाइल स्टेशन रोड के पास न्यू अजमेर मोबाइल वर्ल्ड शॉप से खरीदना बताया।

पीड़ित ने बताया कि जबकि इस दुकान पर कभी नहीं गई और न ही कोई मोबाइल खरीदा। पूर्व में मोबाइल खरीद के समय दिए गए दस्तावेजों का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी की है।

राहगीरों पर पथराव करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

हुड़दंग मचाने के मामले में चार जनों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना पुलिस ने सड़क कर हुड़दंग मचाने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पाडली गुजरेश्वर के पास पथराव की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

चौरासी थानाधिकारी ने बताया कि सड़कों पर बढ़ रही पथराव और लूटपाट की वारदातों पर रोकथाम को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार देर रात के समय सूचना मिली कि पाडली गुजरेश्वर के पास अज्ञात बदमाश राहगीरों पर पथराव कर रहे हैं। इस पर थानाधिकारी के साथ हेड कांनि.ई श्वरलाल, कांनि. मुकेश कुमार, सुनील कुमार, जगदीश और पंकज की टीम पाडली गुजरेश्वर पहुंचे। मौके पर चार बदमाश युवक हुडदंग मचा रहे थे।

पुलिस ने बदमाशों को रोकते हुए अमरप्रकाश पुत्र शंकरलाल अहारी मीणा निवासी ददोडिया, हितेश पुत्र नाथूलाल अहारी मीणा निवासी ददोडिया, अरविंद पुत्र मणिलाल अहारी निवासी ददोडिया और रूपलाल पुत्र कांतिलाल रोत निवासी सांसरपुर फला कंजडिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पत्थरबाजी में संदिग्ध लगने पर शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है।

पानी की समस्या को लेकर खंडेला क्षेत्र के लोगों ने सीकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

- खंडेला शहर के वार्डों में पीने का पानी 10 से 13 दिन में एक बार आता है जो केवल 15 मिनट या आधा घंटा आता है
- सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने सिर पर मटके रखकर प्रदर्शन किया और एडीएम को ज्ञापन सौंपा

सीकर, (निसं)। "सीकर मातृभूमि सेवा संस्थान राजस्थान" जिला सीकर के बैनर तले समाजसेवी डॉ. बी. एल. एचरा तथा समाजसेवी एड. गोकुलचंद गोदारा के नेतृत्व में खंडेला में पीने के पानी की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय सीकर के सामने सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने सिर पर मटके रखकर प्रदर्शन किया।

मातृभूमि सेवा संस्थान से समाजसेवी एडवोकेट गोकुलचंद गोदारा ने बताया कि खंडेला की ग्राम पंचायत दायरा के वार्ड 1 में तथा मेहरू की ढाणी के वार्ड नंबर 2 में करीब 10 साल पूर्व खंडेला पलसाना रोड की चौड़ाई करने के कार्य के दौरान उक्त वार्डों के पीने के पानी की पाइपलाइन को पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा उखाड़ दिया गया था। जून 2023 को दोबारा इन वार्डों में पाइपलाइन डाली गई। नई पाइपलाइन डालने के बाद उपभोक्ता दोबारा कनेक्शन लेने पहुंचे तो पिछले 10 साल के बिल थमा दिए गए। उपभोक्ताओं द्वारा गोदारा के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय खंडेला पर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया गया। तब जलदाय विभाग के अधिकारियों ने विभाग की गलती मानते हुए कहा कि गलती से बिल जेनरेट हो गए। यह 10 साल के बिल नहीं लिए जाएंगे। लेकिन विभाग अपनी गलती सुधारने की जगह अब संपूर्ण बिल जमा करने का उपभोक्ताओं पर दबाव बना रहा है। ग्राम फतेहपुरा भोमियांन ग्राम (पंचायत गोकुल का बास) वार्ड नंबर 2 बलाईयों के मोहल्ले में जल जीवन मिशन योजना के तहत डाली गई पाइपलाइन ठेकेदार द्वारा कहीं 6 इंच तो कहीं 18 इंच दबाई गई तथा तोड़ी गई सीमेंटे रोड की आज तक मरमत नहीं की। लाइन की गहराई की जांच जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा तथा नगर पालिका खंडेला के कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा निष्पक्ष जांच करने के बावजूद भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

खंडेला शहर के वार्डों में पीने का पानी 10 से 13 दिन में एक बार आता है जो केवल 15 मिनट या आधा घंटा आता है। पीने के पानी की सप्लाई की व्यवस्था बिल्कुल डगमगा चुकी है। सरकार द्वारा टैंकर द्वारा पीने का पानी डालने की व्यवस्था भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। टैंकरों से पानी सप्लाई में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

समाजसेवी डॉ. बी. एल. एचरा ने बताया कि गरीबों के साथ इस तरह का व्यवहार और अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी कर्मचारी सेवा करने के लिए हैं गरीबों को दबाने के लिए नहीं। अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। सरकार और जिम्मेदार अधिकारी उक्त समस्याओं का समाधान कर, दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें नहीं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। खंडेला विधानसभा में भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही हैं। सरकार से मांग करते हैं कि पिछले 3 साल में जल जीवन मिशन योजना के तहत खंडेला में हुए सभी कार्यों की निष्पक्ष एजेंसी द्वारा जांच करवाई जावे।

धरने में किशोर दुल्हेपुरा, शिवनाथ सिंह, भंवर सिंह महला, गोकुल सिंह शेखावत, प्रमोद कुमावत, मनी देवी, विनोद कुमार सैनी, महेंद्र कुमार वर्मा, कमलेश कुमार गोदारा, सुभाष कुमार वर्मा सहित सैकड़ों पुरुष व महिलाएं उपस्थित रही।

स्पेन का पलड़ा निश्चित रूप से फाइनल में भारी होगा क्योंकि जिस तरह से वे खेल रहे हैं, उसे देखकर उनकी टीम पूरी तरह से संतुलित दिख रही है। वे तकनीकी रूप से अच्छा खेल दिखा रहे हैं। **- बाईचुंग भूटिया**

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान, रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ यूरो कप फाइनल में स्पेन के जीतने की संभावना जताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

तूलिका मान

देश की युवा जूडो खिलाड़ी तूलिका मान ने पेरिस में होने जा रहे ओलंपिक गेम्स के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई कर लिया है। बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में मान ने रजत पदक अपने नाम किया था। तूलिका मान शुरुआत से ही जूडो की सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। वो राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। जूनियर लेवल पर वो रजत पदक जीत चुकी हैं। तूलिका 2019 से अंतरराष्ट्रीय जूडो फेडेरेशन के विश्व टूर में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने ताइपे में एशियन ओपन में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

जायसवाल और कप्तान गिल के अर्द्धशतक की बदौलत भारत ने जीती टी-20 श्रृंखला

हरारे, 13 जुलाई। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (नाबाद 93) के ताबड़तोड़ और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 58) के संयमित अर्धशतक तथा दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 156 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने शनिवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदकर पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। भारत ने इस तरह जिम्बाब्वे पर दूसरी दफा 10 विकेट के अंतर से जीत हासिल की। 2016 में इसी स्थल पर भारत ने मेजबान टीम को 10 विकेट से हराया था। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करते हुए कामचलाऊ गेंदबाज शिवम दूबे और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन से जिम्बाब्वे को सात विकेट पर 152 रन पर रोक दिया।

जायसवाल और गिल की मदद से उछाल भरी पिच पर यह लक्ष्य महज 15.2 ओवर में 156 रन बनाकर हासिल कर लिया। टी20 विश्व कप में जायसवाल को खेलने का मौका नहीं मिला था, उन्होंने 53 गेंद की नाबाद पारी में विकेट के चारों ओर शॉट लगाये। उनकी पारी में 13 चौके और दो छक्के जड़े थे। गिल ने संयम से खेलते हुए जायसवाल को ताबड़तोड़ रन जुटाने दिये तथा 39 गेंद की नाबाद पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जमाये।

जायवाल का जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा पर बैक-ड्राइव शॉट दर्शनीय था और रिचर्ड नगारवा की गेंद पर छक्का भी उतना ही आकर्षक था। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाजों की खामियों का पूरा फायदा उठाते हुए जायसवाल ने नौ चौकों से अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि तब शुभमन 15 रन पर ही थे। जिम्बाब्वे के कप्तान रजा के पास इन दोनों के चौकों छक्कों को रोकने का कोई विकल्प नहीं था। बस सवाल था कि जायसवाल अपना शतक पूरा कर पायेंगे या नहीं। या फिर गिल अपना अर्धशतक बनायेंगे।

गिल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। इससे जायसवाल के पास शतक पूरा करने के लिए रन नहीं बचे। लेकिन उन्होंने शानदार पुल-शॉट के साथ मैच खत्म किया। इससे पहले जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने 28 गेंद में 46 रन की पारी खेली। लेकिन भारत के पांचवें गेंदबाज अभिषेक (तीन ओवर में 20 रन देकर एक विकेट) और छठे विकल्प दूबे (दो ओवर में 11 रन देकर एक विकेट) ने अच्छे गेंदबाजी प्रयास से जिम्बाब्वे को दबाव में रखा।

भारतीय जूनियर पुरुष हैंडबॉल टीम में राजस्थान के मोहित, हर्षित मेनारिया व प्रियांशु शर्मा शामिल

जयपुर, 13 जुलाई। अम्मान (जॉर्डन) में 14 से 26 जुलाई तक खेले जाने वाली एशियन जूनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में राजस्थान के तीन खिलाड़ियों मोहित, हर्षिल मेनारिया व प्रियांशु शर्मा का चयन हुआ है। भारतीय टीम के कोच राजस्थान के जोधपुर के मोहम्मद ज़ाकिर है। भारतीय टीम शनिवार को अम्मान पहुंच गयी। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि राजस्थान के श्रीगंगानगर के मोहित सेंटर बैक की पोजीशन पर, उदयपुर के हर्षिल मेनारिया लेफ्ट बैक की पोजीशन पर व जयपुर के प्रियांशु शर्मा गोलकीपर की पोजीशन पर खेलते है। भारतीय टीम के नई दिल्ली से रवानगी से पूर्व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, कार्यकारी निदेशक डा. आनन्देश्वर पाण्डेय, महासचिव डा. तेजराज सिंह ने भारतीय टीम के चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कामना की।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ को कैंसर, कपिल देव ने डोनेट की अपनी पेंशन

नई दिल्ली, 13 जुलाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ वर्तमान समय में कैंसर से जूझ रहे हैं। कैंसर की जंग में अंशुमन के पास पैसों की तंगी है।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय ध्वजवाहक बने शरत

नई दिल्ली, 13 जुलाई। इसी महीने पेरिस में होने जा रहे ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल को ध्वजवाहक बनाया गया है। चार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड, दो एशियन गेम्स के मेडल्स, तीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने के साथ साथ दो आईटीटीएफ प्रो टूर खिताबों के साथ, शरत कमल यकीनन भारतीय इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय टीम से उन्हें बुलावा 2002 के कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले आया, जहां उन्हें 16-सदस्यीय संभावित प्रशिक्षण शिविर के लिए चुना गया था।

शरत कमल को 20 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत करने के लिए यही ब्रेक चाहिए था। शिविर के अनुभव ने उन्हें आत्मविश्वास दिया और शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के संपर्क ने उन्हें बेहतर बनाया।

अचंत शरत कमल का जन्म 12 जुलाई 1982 को चेन्नई, तमिलनाडु में हुआ था। यह शहर अपने टेबल टेनिस कौशल और कई राष्ट्रीय चैंपियनों के लिए जाना जाता है। टेबल टेनिस शरत के परिवार के जीन में था और उन्हें इससे मदद भी मिली।

गुकेश और प्रज्ञानानंदा 45वें शतरंज ओलंपियाड के लिए भारतीय टीम में

चेन्नई, 13 जुलाई। भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा हंगरी के बुडापेस्ट में सितंबर में होने वाले आगामी शतरंज ओलंपियाड में भाग लेंगे। नवंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में चीन के मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले गुकेश के लिए यह टूर्नामेंट 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा। गुकेश (18 वर्ष) ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। वह अप्रैल में टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे।

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने पीटीआई को पुष्टि करते हुए बताया कि टीम में अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा भी शामिल हैं। महिला टीम में डी हरिका, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव मौजूद हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अज्ञात कारणों से टीम से बाहर हैं जिन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। भारत ने पहली बार 2022 में ओलंपियाड के पिछले चरण की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान देश ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपियाड का 45वां चरण होगा। हंगरी पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी मेजबानी करेगा।

नोवाक व कार्लोस के बीच फाइनल

लंदन, 13 जुलाई। रविवार यानी 14 जुलाई को विम्बलडन चैंपियनशिप 2024 में पुरुष सिंगल्स के फाइनल खेला जाएगा। इस मुकाबले में सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच और स्पेन के कार्लोस अल्कारेज आपस में भिड़ेंगे। लंदन में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त नोवाक ने 25वीं सीड इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को सीधे सेटों में 6-4, 7,6 (2), 6-4 से हराया। कार्लोस अल्कारेज ने पुरुष सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 6-3, 6-4, 6-4 से हराया था। मेदवेदेव मौजूदा विम्बलडन चैंपियन हैं। अल्कारेज ने पिछले साल नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। अब जोकोविच का लक्ष्य सेंटर कोर्ट पर मिली हार का बदला चुकता करने पर होगा।

सेमीफाइनल में युवराज ने की ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की कुटाई

नई दिल्ली, 13 जुलाई। युवराज सिंह को भारत के महान ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। युवराज अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते थे, वहीं एक बार उन्होंने साबित कर दिया कि उनके जैसा बल्लेबाज बन पाना मुश्किल है। भारत ने 2007 में टी20 वर्ल्ड कप और साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इन दोनों ही टूर्नामेंट में युवराज सिंह को योगदान बेहद अहम था। युवराज ने अपने बल्ले से जो पारियां खेलीं थी उनकी याद आज भी हर किसी के जहन में है।

युवराज को संन्यास लिए कई समय हो गया लेकिन उनकी बल्लेबाजी में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया है। दरअसल, युवराज सिंह इन दिनों वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेल रहे हैं। युवराज इंडिया चैंपियंस की कप्तानी कर रहे हैं और अपनी कप्तानी में वह टीम को फाइनल में ले गए हैं। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने ऐसी ताबड़तोड़ पारी खेली कि देखने वालों को विंटेज युवराज याद आ गए। 9 गेंदों में मचाया कोहराम

बता दें कि, युवराज ने इस मैच में 28 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली। इससमें से 46 रन तो युवराज ने महज 9 ही गेंदों में बना लिए। युवराज ने इस मैच में पांच छक्के मारे। यानी 30 रन छक्कों से आ गए। वहीं चार गेंदों पर उन्होंने चौके लगाए जिसका मतलब है कि 16 रन उन्होंने महज चौके से बटोरे। 9 गेंदों पर उनके बल्ले से निकले कुल 46 रन। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 210.71 का रहा। युवराज ने इस दौरान अपने वही पुराने शॉट्स दिखाए जो उनकी बल्लेबाजी की खूबसूरती हुआ करती थी।

सिकंदर रजा ने टी-20 क्रिकेट में रचा इतिहास

ऐसा करने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 13 जुलाई। हरारे में भारत और जिम्बाब्वे के बीच चौथा टी20 मैच खेला जा रहा है। जहां इस मुकाबले में जिम्बाब्वे केसिकंदर रजा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है।

दरअसल, वे जिम्बाब्वे की टीम के लिए टी20आई क्रिकेट में 2000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक और बड़ी उपलब्धि उन्होंने अपने नाम की है। वे टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 2000 रन और 50 से ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। सिकंदर रजा ने भारत के खिलाफ चौथे टी20आई मैच में ये उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा सिकंदर रजा ने भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा निजी स्कोर भी बनाया है, अभी तक वे भारत के खिलाफ 34 रन ही बना पाए थे।

ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने जैसे ही भारत के खिलाफ हरारे में जारी चौथे टी20आई मैच में 13वें ओवर का आखिरी गेंद पर 17वां रन बनाया, वैसे ही वे जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर सीन विलियम्स हैं।

राजधानी

शिव सिंह शेखावत और महिपाल गुट के आठ लोग गिरफ्तार

- **राजधानी के चित्रकूट इलाके में शुक्रवार को राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत और श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के बीच मारपीट व फायरिंग का मामला**
- **दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट का शनिवार को मामला दर्ज करवाया है।**

जयपुर। चित्रकूट इलाके में शुक्रवार को राष्ट्रीय करणी सेना के अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत और श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के बीच मारपीट और फायरिंग के मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि मामले पुलिस ने राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत के साथ उसके 6 साथियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा महिपाल सिंह मकराना के दो साथियों को भी गिरफ्तार किया गया हैं इस मामले में दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट का शनिवार को मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, मारपीट में घायल हुए महिपाल सिंह मकराना का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वहीं दूसरी ओर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर मारपीट और फायरिंग का आरोप लगा रहे है। इस घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए है। पुलिस इन वीडियो की मदद से इस पूरे मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा पुलिस सीसीटीवी सहित अन्य साक्ष्यों की भी पड़ताल में जुटी है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोपियों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

शिव सिंह शेखावत ने बताया कि 'मकराना का शुक्रवार को मेरे छोटे भाई के पास फोन आया था। कह रहा था कि बैठकर बात कर लेते हैं। सभी बात कर रहे थे। वो शायद नशे में था। इस बीच उसने मेरे ऊपर फायर कर दिया। फायर जमीन पर लगा। इसके बाद मेरे गनमैन ने इसके सिर पर बंदूक का बट मार दिया। मकराना के साथ तीन लोग और थे। हमने उन सभी को पकड़ लिया।'

उधर, महिपाल की पत्नी वर्षा का कहना है कि महिपाल सिंह को धोखे से बुलाकर मारा गया है। उनको पता था ये आदमी अकेला आएगा। उन्होंने पहले से 40 लोग इकट्ठा कर रखे थे। उन्हें बुरी तरीके से मारा है। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को भी इसी तरह धोखे से मारा गया था। उन्होंने मुझे अभी इतना बताया है, धोखे से बुलाकर मारा गया है। फायरिंग शिव सिंह तरफ से हुई है।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि दोनों के पास गनमैन हैं। गनमैन से भी घटना को लेकर पूछताछ की जाएगी। राष्ट्रीय करणी सेना के कार्यालय से लिए गए सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। डीसीपी पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि दो पक्षों में झगड़े और फायरिंग की सूचना मिली थी। बुलेट का शेल मौके पर मिला है। फायरिंग में किसी को चोट नहीं लगी है। मारपीट में चोट लगी है। फिलहाल दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2023 में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से शिव सिंह शेखावत और महिपाल सिंह मकराना के बीच राजपूत समाज में वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा है। शुक्रवार रात को हुई घटना को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। दोनों ही गुट लंबे समय से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी करते आए हैं।

दुर्गाष्टमी आज, देवी मंदिरों में होंगे विशेष अनुष्ठान

जयपुर। आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर रविवार को विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे। शिव योग, सिद्ध योग, रवि योग, जयद् योग में अष्टमी पर दस महाविद्या में मां बगलामुखी और मां दुर्गा के महागौरी रूप में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिरों में दुर्गा कवच पाठ, सप्तशती पाठ के साथ हवन होंगे। ज्योतिषाचार्य पं. सुरेन्द्र गौड़ ने बताया कि दस महाविद्या में मां बगलामुखी की साधना दुश्मन के भय से मुक्ति और वाक सिद्धि के लिए की जाती है। जो साधक गुप्त नवरात्रि में इनकी साधना करता है वह हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। महाभारत के युद्ध में कृष्ण और अर्जुन ने कौरवों पर विजय हासिल करने के लिए माता बगलामुखी की पूजा की थी। मंदिरों में गुप्त साधना करने वाले साथ संकल्पित मंत्रों की महाष्टमी पर विशेष आराधना करेंगे। गुप्त नवरात्र का समापन पर मंदिरों में 15 जुलाई को श्रद्धालुओं द्वारा देवी का मनोरथ श्रृंगार किया जाएगा। दुर्गा कवच, सप्तशती पाठ किया जाएगा। घाटगेट श्मशान स्थित काली माता मंदिर में पुष्पाजंलि, सप्तशती मंत्र से जगत कल्याण के लिए आहुतियां दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री से केंद्रीय कृषि मंत्री ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान दोनों नेताओं के बीच केंद्र और राज्य सरकार की कृषक कल्याणकारी योजनाओं और कृषि से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को राज्य सरकार द्वारा कृषक कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इस बार के राज्य बजट में कृषि विकास एवं कृषक कल्याण के लिए 96 हजार करोड़ से अधिक का प्रावधान किया गया है। इस अवसर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी उपस्थित रहे।

फरार बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर हमला

जयपुर। चोरी के मामले में फरार चले से आरोपी को गिरफ्तार करने गई प्रताप नगर थाना पुलिस के दो कॉन्स्टेबल पर आरोपी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर जान लेवा हमला कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची कोटखावदा पुलिस ने दोनो घायल कॉन्स्टेबलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया। जिसके बाद पुलिस ने फरार चल रहे नकबजन को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के बताए अनुसार विष्णु कुमार राहगीरों से मोबाइल लूटने व चेन स्नेचिंग के तीन अलग -अलग मामलों में फरार चल रहा था। सूचना पर प्रताप नगर थाना पुलिस की टीम कोटखावदा पहुंची । तभी पुलिस के पांच-छह जवानों को देखते ही विष्णु ने अपने परिजनों के साथ मिलकर लाठी ,डंडे से पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पुलिस टीम पर हुए हमले में कॉन्स्टेबल वेद प्रकाश का हाथ फ्रेक्चर हो गया वही कॉन्स्टेबल शंकर के सिर में गंभीर चोट आई। पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में दोनो कॉन्स्टेबल पर गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस कर्मियों पर हमला होते देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायल अवस्था में दोनो कॉन्स्टेबलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी विष्णु और उसके परिजनों के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। आरोपी विष्णु को पुलिस की गिरफ्तारी से बचाने के लिए विष्णु के परिजनों के सरकारी जीप पर भी लाठी,डंडे से तोड़फोड़ की।

पति के सामने ही युवक के साथ बाइक पर फरार हुई विवाहिता

जयपुर। प्रतापनगर थाना इलाके में शादी के कुछ दिन बाद ही विवाहिता अपने पति के सामने ही दूसरे युवक के साथ बाइक पर सवार होकर भाग निकली। दुल्हन अपने साथ नकदी व गहने भी ले गई। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर निवासी 35 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज करवाया कि परिचित विक्रम और उसकी पत्नी घर मिलने आए थे। बातचीत के दौरान आरोपी दंपती ने उसकी शादी करवाने का झांसा दिया। शादी कराने की एवज में 2 लाख रुपए की डिमांड की। कुछ दिन बाद शादी के लिए लड़की बुलाकर दिखाई। पसंद आने पर शादी कराने के एवज में 2 लाख रुपए ले लिए। गत 12 जून को प्रताप नगर स्थित एक मंदिर में शादी करवा दी। दूल्हा-दुल्हन के बीच 500 रुपए के स्टाम्प पर शादी का समझौता हुआ। चार-पांच दिन ससुराल में रहने के दौरान गांव में कुछ रस्म निभाने चलने का बहाना बनाया। गत 17 जून को दूल्हे को साथ लेकर दुल्हन अपने गांव ले गई। अगले दिन सुबह पहुंचने पर मकान के बाहर लॉक लगा मिला। दुल्हन ने कॉल पर किसी से बात करने के बाद दूल्हे को बताया कि मां किसी रिश्तेदार के घर गई है। दो-तीन घंटे में वापस लौट आएगी। उसके कुछ देर बाद बुलेट सवार युवक घर के बाहर आकर रुका। दूल्हे के सामने ही गहने-कैश और कीमती सामान का बैग उठाकर दुल्हन बुलेट सवार साथी के साथ बैठकर चली गई। इंतजार के दौरान दूल्हे को धोखा देकर दुल्हन के भागने का पता चला।

इसी तरह हरमाड़ा थाना इलाके में एक विवाहिता घर से नकदी व जेवरात समेट कर प्रेमी के संग भाग गई। पुलिस ने बताया कि हरमाड़ा निवासी 35 साल के युवक ने मामला दर्ज करवाया कि साल-2012 में उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता है। 5 जून को जॉब पर गया था। दोपहर करीब 12 बजे बेटे ने पिता को कॉल कर मम्मी के ऑटो रिक्शा में बैठकर जाने की जानकारी दी। बिना बताए पत्नी के जाने का पता चलने पर पति घर पहुंचा। घर में रखी अलमारी को संभालने पर लॉकर में रखे सोने-चांदी के गहने और 3 हजार रुपए गायब मिले। रिश्तेदारों-परिचितों के यहां ढूंढने पर भी पत्नी का पता नहीं चल सका। गत 4 अप्रेल को भी बिना बताए पत्नी घर छोड़कर चली गई थी।

चातुर्मास में भगवान भोलेनाथ संभालेंगे सृष्टि का संचालन

जयपुर। आषाढ़ शुक्ल एकादशी, 17 जुलाई को भगवान श्रीहरि विष्णु सृष्टि की सत्ता के संचालन का भार भगवान भोलेनाथ को सौंपकर 118 दिन के लिए योग निद्रा में जाकर विश्राम करेंगे। आदिदेव महादेव सृष्टि का कार्यभार 11 नवंबर तक अपने पास रखेंगे और 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर पुन: श्रीहरि के जागने पर उन्हें सत्ता सौंप देंगे।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि देवशयनी एकादशी पर इस बार तीन खास योगों का संयोग बन रहा है, जो आगामी चार माह के लिए शुभ फलदायी एवं मंगलकारी रहेंगे। इनमें सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और बुधादित्य योग रहेगा। देवशयनी एकादशी पर इस बार सूर्योदय से रात 11.18 तक सर्वार्थ एवं अमृत सिद्धि योग एक साथ रहेंगे।

सूर्य और बुध के कर्क राशि में एक साथ रहने से बुधादित्य योग भी रहेगा। यह तीनों योग खरीदारी एवं कार्यों की सफलता के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं। देवशयनी एकादशी से शुरू हो रहे चातुर्मास के साथ जैन एवं बौद्ध संतों का वर्षावास भी शुरु हो जाएगा।

भड़ल्या नवमी को रहेगी शादियों की धूम

जयपुर। गृह प्रवेश-विवाह मंगल कार्यों का आखिरी मुहूर्त 15 जुलाई को भड़ल्या नवमी को है।

इसके बाद 17 जुलाई से देवशयन काल शुरू हो जाएगा, जो 11 नवंबर तक रहेगा।

इस बार देवशयन काल 118 दिनों का रहेगा। 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ फिर से विवाह आदि मंगल कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। नवंबर-दिसंबर में विवाह के मुहूर्त हैं। अगले साल जनवरी-2025 में विवाह के सबसे ज्यादा मुहूर्त हैं।

चिंदी मिल गई तो खुद को बजाज समझ रहे हैं राहुल गांधी-शिवराज सिंह चौहान

या तो गैंगस्टर राजस्थान में आएगा नहीं, यदि आया तो बचकर जाएगा नहीं- भजनलाल शर्मा

भाजपा की वृहद् प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में केन्द्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाग लिया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी व अन्य प्रमुख नेता भी मौजूद थे।

- **फेक एजेंडे पर सत्ता की रोटियां सेकना चाहती है कांग्रेस- सी.पी. जोशी**
- **केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव रखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एन.डी.ए. की सरकार बनी है, इसके लिए केन्द्रीय नेतृत्व का अभिनंदन किया जाना चाहिए। बैठक में सभी ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया।**
- **बैठक को भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भी संबोधित किया।**

जयपुर 13 जुलाई (का.सं.)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने वृहद् प्रदेश कार्यसमिति को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता नींव का पत्थर है, भाजपा की आत्मा अगर उसका विचार है तो कार्यकर्ता उसका प्राण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता के स्वर्ण सिंहासन पर बैठने नहीं आई, बल्कि दरिद्र नारायण की सेवा और समृद्ध विकसित राजस्थान के लिए सत्ता में आई है। हमारे लिए राजनीति प्रोफेशन नहीं, मिशन है। यही कारण है कि राम मंदिर, धारा 370 जैसे पुराने मुद्दों का समाधान किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत एक ताकत बनकर उभरा है, जहां राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

सिंह ने कहा कि समाज में चार ही जातियाँ हैं, गरीब, युवा, किसान और मातृशक्ति। इन चारों के ही कल्याण के लिए भाजपा संकल्पबद्ध है। किसानों का भला करने के लिए आवश्यक है कि फसलों का उत्पादन बढ़े, उत्पादन की लागत कम हो, उत्पादन का उचित मूल्य मिले, उसके नुकसान की भरपाई हो, फसलों का विविधिकरण हो और किसान प्राकृतिक खेती की ओर लौटे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को चिंदी मिल गई तो अपने आप को बजाज समझने लगे हैं, इसी के चलते वो उस हिन्दू समाज को हिंसक बताने का पाप कर रहे हैं, जिस हिन्दू समाज ने "वसुधैव कुटुम्बकम्" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" का विचार दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सावचेत किया कि वे कांग्रेस के द्वारा झूठे नैरेटिव गढ़ने के प्रति सजग रहें और प्रखरता से अपनी बात को रखें। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि जिम्मेदारी के भाव से राष्ट्र हित में विचार को और सरकार के काम को जनता तक पहुंचाएं।

वृहद् कार्यसमिति को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में 62 साल बाद इतिहास को दोहराते हुए नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की सबसे बड़ी ताकत बनने को ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत विधानसभा और लोकसभा दोनों ही चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली है। भाजपा के कार्यकर्ता ने गांव-गांव, ढाणी-ढाणी जाकर परिश्रम किया और भाजपा की संकल्प यात्रा में आमजन को जोड़ने का कार्य किया। संकल्प पत्र में किए गए वादों को सरकार एक के बाद एक पूरा करने का काम कर रही है, फिर चाहे वो ईआरसीपी समझौता हो या फिर यमुना जल समझौता हो। ईआरसीपी योजना को लेकर सरकार ने भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया है और दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस योजना का शिलान्यास करेंगे।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, मीरा, पन्ना धाय की इस भक्ति और शक्ति की धरती पर हम अशांति नहीं फैलने देंगे। प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफ सरकार ज़ीरो टॉलरेन्स की नीति पर कार्य कर रही है, सरकार ने मेवात में साइबर क्राइम को जड़ से उखाड़ फेंकने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि या तो गैंगस्टर राजस्थान में आएगा नहीं, यदि आया तो बचकर जाएगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी के पास कोई विचारधारा नहीं है और न ही कोई संस्कार और नीति है। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं के पास विचारधारा है, और इसी विचार को लेकर कार्यकर्ता बढ़ रहा है, संगठन की पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता पर नजर है, भाजपा में कार्यकर्ता को सर्वोपरि माना जाता है, उसकी संवेदना, भावना और विचार को महत्व दिया जाता है। कार्यसमिति में पधारे सभी कार्यकर्ताओं को मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके सार्वजनिक हित के कार्यों को सरकार प्राथमिकता से करेगी।

भाजपा की वृहद् प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा विचार को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है, जबकि कांग्रेस परिवारवाद पर चलने वाली पार्टी है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश आगे बढ़ा है, वहीं कांग्रेसी नेता फेक एजेंडा चलाकर पीएम मोदी को रोकना चाहते हैं, लेकिन जनता का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अटूट विश्वास है तथा इस विश्वास की बदौलत ही देश प्रगति की ओर अग्रसर है।

केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कार्यसमिति के दौरान लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी एनडीए सरकार का अभिनंदन प्रस्ताव रखा। केंद्रीय नेतृत्व के अभिनंदन वाले प्रस्ताव का कार्यसमिति में मौजूद सभी लोगों ने स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि भाजपा की नीतियां और विचारधारा सुशासन की ओर ले जाने वाली हैं, जबकि कांग्रेस के पास न तो कोई नीति है और न ही नेतृत्व। कांग्रेस "फूट डालो राज करो" की नीति पर चलने वाली पार्टी है, लेकिन भाजपा सरकार के चलते कांग्रेस कामयाब नहीं हो पाई।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की बदौलत पीएम मोदी इन चुनौतियों का सामना कर पा रहे हैं, पीएम मोदी के 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने में कार्यकर्ताओं और देश की जनता ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा जन हितेषी और ऐतिहासिक फैसले लिये जा रहे हैं। सरकार के कार्यों से प्रदेश की जनता खुश है, सरकार के कार्यो के बदोलत ही भाजपा आगामी समय में पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में जीत दर्ज करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा अल्प समय में ही किये गये ऐतिहासिक कार्यों और निर्णयों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए अभिनंदन प्रस्ताव पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने रखा और हरियाणा के प्रभारी एवं वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया ने इसका अनुमोदन किया।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दामोदर अग्रवाल ने पिछली कार्यसमिति के बाद दिवंगत हुए राजनैतिक कार्यकर्ताओं, प्रबुद्धजनों के प्रति शोक प्रस्ताव रखा। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कार्यसमिति के बारे में प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में दो प्रस्ताव पारित कर केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के लोककल्याणकारी निर्णयों का अभिनंदन किया गया और संगठन की नीति, विचार और सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

कार्यसमिति के दौरान मंच पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का सिंह गुर्जर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश माथुर, अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

मंच संचालन भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेन्द्र गोठवाल और श्रवण सिंह बगड़ी ने किया।

'आम जनता को कानून के सिद्धांत सरल भाषा में समझाने की जरूरत

सी.जे.आई. डी.वाय. चंद्रचूड़ ने कहा, ऐसा नहीं हो पाना कानूनी पेशे व कानूनी शिक्षा की कमी को बताता है

- **सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने लखनऊ में राम मनोहर लोहिया नैशनल लॉ युनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए यह कहा।**
- **कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अरूण भंसाली व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।**

लखनऊ, 13 जुलाई। देश के मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ ने शनिवार को क्षेत्रीय भाषाओं में कानून पढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि अगर कानून के सिद्धांतों को आम जनता को सरल शब्दों में नहीं समझाया जा सकता है, तो कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा में कमी है।

लखनऊ में डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा, मैं अक्सर देश भर के शिक्षाविदों के साथ चर्चा करता हूं कि कानून को सरल भाषा में कैसे पढ़ाया जा सकता है। अगर हम कानून के सिद्धांतों को आम जनता को सरल शब्दों में नहीं समझा सकते हैं, तो कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा में कमी है।

मुख्य अतिथि के तौर पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ छात्रों को डिग्री भी वितरित की। सीजेआई ने कहा, कानून पढ़ाने में हमें क्षेत्रीय भाषाओं पर भी विचार करना चाहिए और मेरा मानना है कि आर.एम.एन.एल.यू. को हिंदी में एल.एल.बी. पाठ्यक्रम शुरू करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से संबंधित कानून भी पढ़ाए जाने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति भूमि से संबंधित समस्या लेकर निकटवर्ती गांव से विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र में आता है और छात्र खसरा और खतौनी जैसे शब्दों को नहीं समझता है, तो वो उसकी मदद कैसे कर पाएगा? इसलिए छात्रों को भूमि से संबंधित क्षेत्रीय कानूनों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के रूप में उन्होंने न्याय प्रक्रिया को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, अंग्रेजी में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भारत के संविधान में मान्यता प्राप्त विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे जनता इन फैसलों की विषय-वस्तु को समझ सके।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा वर्तमान में 1950 से 2024 तक के 37,000 सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हिंदी में अनुवाद किया गया है और यह सेवा सभी नागरिकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है।

इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरपाल सिंह, विधि विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आदित्य प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीश मौजूद रहे।

सोनिया से मिले झारखंड के मु.मंत्री हेमंत सोरेन

- **दस जनपथ पर सोनिया गांधी के साथ सोरेन ने झारखंड के आगामी वि.सभा चुनाव पर चर्चा की।**

नयी दिल्ली, 13 जुलाई। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी से यहाँ उनके आवास पर मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। सोरेन ने अपने ट्विटर हैंडल पर यह जानकारी साझा की है। उन्होंने एक तस्वीर भी पोस्ट की है जिसमें वह अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ गांधी के आवास पर उनसे मुलाकात कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद वे सोनिया गांधी से नहीं मिले थे इसलिए उनसे मिलने उनके आवास पर गये। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने गांधी से झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की।

इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दौरान जेल में रहे थे। लेकिन मुश्किल यह है कि इस तरह के तर्क राजद, द्रमुक और भाकपा जैसी पार्टियों के नेताओं की स्थिति से मेल नहीं खाते। इनके नेताओं का कहना है कि भाजपा अपने पापों को छिपाने के लिए ऐसी चालबाजियां कर रही हैं।

आपातकाल की बहस को फिर से छेड़ने में भाजपा का नुकसान भी है क्योंकि स्व. बालासाहेब ठाकरे और आर.एस.एस. के तत्कालीन सरसंघचालक बालासाहेब देवरस जैसे दक्षिणपंथी नेताओं ने आपातकाल का समर्थन किया था। देवरस ने इंदिरा गांधी को कम से कम दो पत्र लिखकर उन्होंने इस बात की बधाई दी थी कि आपातकाल के उनके निर्णय के कारण प्रशासन में अनुशासन और कुशलता आई है।

शिवसेना (यू.बी.टी.) प्रवक्ता संजय राउत ने शनिवार को जोर देकर कहा कि आपातकाल उस वक्त लागू किया गया था, जब रामलील मैदान से एक खुला आव्हान कर जवानों और सेना से कहा गया था कि वे सरकार के आदेशों को ना माने। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिन्ताएं थी। कुछ लोग बम बना रहे थे और विस्फोट कर रहे थे। ऐसी स्थिति में यदि अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री होते तो वह भी आपातकाल लागू करते।"

जमीनी विवाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले अभियुक्त सगीर के साथ गांव की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसके चलते सगीर उसके पिता के साथ रंजिश रखता था।

बीती रात अभियुक्त उसके पिता की तलाश करता हुआ उनके घर आया था। रात को अभियुक्त खाना खाकर उसके पिता के साथ सो गया। वहीं देर रात को अभियुक्त ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसके पिता को गंभीर रूप से घायल कर दिया। रिपोर्ट पर कार्वाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को हत्या के प्रयास के अपराध में गिरफ्तार किया। वहीं बाद में इलाज के दौरान अयूब की मौत होने पर पुलिस ने हत्या की धारा जोड़ते हुए अभियुक्त के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से अपने बचाव में कहा गया कि वह घटना के समय अपने मकान के नीचे बैठा था।

इस दौरान शोर शराबा होने पर कई लोग आए और मुझे आकर पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। हत्या में उसकी कोई भूमिका नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

हिमाचल की ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परन्तु उन्होंने आर.जे.डी. के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था। संसदीय चुनावों में भारती की पराजय होने के बाद, उन्होंने आर.जे.डी. के प्रत्याशी के रूप में यह उप-चुनाव लड़ा था। 2024 में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के बाद ये प्रथम उपचुनाव थे, इन लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 240 सीटों पर विजय प्राप्त की थी, जो कि बहुमत से 32 सीटें कम थीं। हालांकि, एन.डी.ए कुल 293 सीटें जीतकर 272 सीटों का आंकड़ा पार कर आधा रास्ता तय करने में कामयाब रहा। कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन 232 सीटे जीतने में सफल हुआ था।

प. बंगाल में चारों सीटें जीतीं तृणमूल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से यही अनुभव रहा है कि क्यू.आर.टी. टीमों को संकटग्रस्त स्थानों तक, सीधे और छोटे रास्तों के बजाय, सर्वाधिक घुमावदार रास्तों से ले जाया जाता था जिससे वे देर से पहुंची।

इसके बाद, उपद्रवग्रस्त स्थान को नियन्त्रित करने में कानून-व्यवस्था द्वारा हस्तक्षेप का प्रश्न भी सैद्धान्तिक किन्तु अव्यवहारिक दबाव बनाता था। निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के किसी प्रयास को रोकने के लिये, तृणमूल कांग्रेस ने एक नई तकनीक अपनाई थी।

तृणमूल कांग्रेस के गुन्डे मतदान केन्द्रों के आसपास तैनात कर दिये गये थे तथा वे सोचे-समझे तरीकों से सभी विपक्षी नेताओं को यह देखने के लिये मतदान केन्द्रों तक पहुँचने से रोक देते थे कि चुनाव निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो रहा है या नहीं। कोई भी विपक्षी नेता किसी भी मतदान केन्द्र तक नहीं पहुँच पाता था, भले ही उन्हें तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा बूथों पर कब्जा करने की सूचनाएं क्यों न मिल गई हों।

राज्य के सत्तारूढ़ दल, तृणमूल कांग्रेस ने डराने-धमकाने का काम मतदान-दिवस से काफी पहले ही शुरू कर दिया था तथा यह सुनिश्चित कर लिया था कि विपक्षी दल निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिये अपने लोगों को किसी भी तरह कहीं नहीं भेज सकें।

नामांकन पत्र भरने की तिथि से लेकर मतदान-दिवस से पहले वाली रात तक विपक्षी उम्मीदवारों की गई धमकियों के अलावा, तृणमूल के गुंडे विपक्षी नेताओं के खिलाफ अपने बाहुबल के कार्यक्रम चलाते ही रहते थे।

मतदान वाले दिन, किसी भी विपक्षी दल के एजेंट को मतदान केन्द्रों के अन्दर नहीं बैठने दिया गया था। जहाँ कहीं भी विपक्षी प्रत्याशियों ने इन मतदान केन्द्रों पर जाने की कोशिश की, उन्हें तृणमूल के गुंडों ने रोक दिया।

सच तो यह है कि विपक्षी दलों तथा सभी पर्यवेक्षकों का मानना है कि जब तक तृणमूल कांग्रेस सत्ता में है, तब तक राज्य में निष्पक्ष चुनाव हो ही नहीं सकते। मौजूदा सरकार के हटने की स्थिति में ही निष्पक्ष चुनाव संभव है। यही इस राज्य की जमीनी स्थिति है।

संविधान हत्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्मान नहीं किया और संविधान खत्म करने का आव्हान करते रहे हैं लेकिन अब वही लोग संविधान हत्या दिवस मनाने जा रहे हैं। वाड्रा ने कहा, भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे।" उन्होंने कहा "जिन्होंने संविधान लागू होने का विरोध किया, संविधान की समीक्षा करने के लिए आयोग बनाया, संविधान खत्म करने का आव्हान किया, अपने फैसलों और कृत्यों से बार-बार संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार किया, वे नकारात्मक राजनीति वाला संविधान हत्या दिवस मनाएंगे ही, इसमें आश्चर्य कैसा।"

'चीन के "एसैट्स" को नैशनलाइज़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धमकने के रूप में देखा जा रहा है। यूरोपीय देश खतरे को आसान मानकर चल रहे हैं, इसलिए वे रूस के खिलाफ एक कॉमन लाइन ऑफ डिफैंस बना रहे हैं और उसे क्रियाशील करने की तैयारियों में जुट गए हैं।

नाटो के सहयोगी देशों ने पश्चिमी देशों में रूस के कई स्लीपर सैल्स की पहचान की है। रूस के ये जासूस यूक्रेन जा रहे सामान की सप्लाई लाईन्स में व्यवधान डालने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पश्चिमी यूरोप में अस्त्र-शस्त्र और गोला-बारूद्ध के ऐसे कई भण्डारों को अवरूद्ध कर दिया है जो यूक्रेन के लिए अबाधित सप्लाई को अहम माने जाते हैं।

हाल ही, अमेरिका और जर्मनी की इंटैलीजैंस यूनिट्स ने दावा किया कि उन्होंने एक शस्त्र फैक्ट्री के सी.ई.ओ. की हत्या करने की रूस की साजिश को विफल कर दिया है। यह फैक्ट्री यूक्रेन की सेना को हाई ग्रेड वैपन सिस्टम की सप्लाई करने वालों में थी।

फिनलैण्ड में भी कुछ इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसीलिटीज़ पर रूस के गुप्त हमले हुए हैं। रूस की सीमा फिनलैण्ड से लगती है और फिनलैण्ड के थोड़ा अंदर ही उसके कुछ अन्तः क्षेत्र हैं और इन अन्तः क्षेत्रों को रूस की सैन्य चौकियों के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

चूंकि यूक्रेन में रूस का आक्रमण और तेज होता जा रहा है और पश्चिम के देशों में भी उसकी गुप्त गतिविधियां बढ़ रही है, इसलिए पश्चिमी यूरोप के देश रूस के भविष्य के युद्धाभियानों का मुकाबला करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

कर्नाटक आदिवासी बोर्ड के प्रमुख बसनगौड़ा दद्दाल लापता

बेंगलुरु, 13 जुलाई। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल कथित तौर पर लापता हैं। ज्ञातव्य है कि, ईडी उन्हें बोर्ड में अनियमितताओं के सिलसिले में हिरासत में लेने की तैयारी में था।

सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कर्नाटक में कांग्रेस के विधायक बसनगौड़ा दद्दाल बेंगलुरु या अपने पैतृक स्थान रायचूर में अपने आवास पर नहीं मिले। बसनगौड़ा दद्दाल शुक्रवार को विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) के सामने पेश हुए थे और उसके बाद वे कहां हैं उनका पता नहीं है।

सूत्रों ने आरोप लगाया कि ईडी की गिरफ्तारी से बचने के लिए दद्दाल अपनी इच्छा से एसआईटी के सामने पेश हुए थे। हालांकि, एसआईटी अधिकारियों ने कथित तौर पर उन्हें समझाया कि ईडी द्वारा उन्हें कभी भी हिरासत में लिया जा सकता है और उन्हें वापस भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने, दद्दाल द्वारा जनजातीय बोर्ड से कथित रूप से गबन किए गए पैसे को रियल एस्टेट में निवेश करने के संबंध में पर्याप्त सबूत जुटा लिए हैं।

ईडी ने एनईएफटी, आरटीजीएस और यूपीआई लेनदेन के माध्यम से उनके परिवार के सदस्यों के खातों में बड़ी मात्र में ट्रांसफर की गई धनराशि का भी पता लगाया है।

आवंटियों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का वादा किया। वहीं प्रोजेक्ट में एक भव्य क्लब हाऊस बनाने का वादा कर आवंटियों से सुविधाओं के नाम पर लाखों रुपये लिये गये। प्रोजेक्ट को वर्ष 2017 तक पूरा किया जाना था, लेकिन बिल्डर ने सुविधाओं का निर्माण नहीं किया। इसके अलावा गत वर्ष प्रोजेक्ट में क्लब हाउस निर्माण हेतु निर्धारित की गई जमीन पर एक नई प्लॉटिंग स्कीम जेडीए से स्वीकृत कराकर रेरा में पंजीकृत करवा ली। जबकि ऐसा करने से पूर्व ना तो आवंटियों को सूचित किया गया और ना ही आवंटियों की सहमति ली गई। प्राधिकरण ने अपील को स्वीकार करते हुए माना कि बिल्डर ने प्रोजेक्ट का निर्माण पूर्ण नहीं किया और ना ही कम्पलीशन सर्टिफिकेट व ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट प्राप्त किया गया। इसके अलावा बिल्डर ने आवंटियों की सहमति के बिना अपने स्तर पर ही प्रोजेक्ट के तय ले-आउट प्लान में बदलाव कर दिया। योजना पूरी हो जाने के बाद योजना के कॉमन एरिया पर आवंटियों वेलफेयर एसोसिएशन का अधिकार हो जाता है व बिल्डर को समस्त कॉमन एरिया आवंटियों की संस्था को सुपुर्द किया जाना होता है।

'गत 3-4 साल में रोजगार के 8 करोड़ अवसर सृजित हुए हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आर.बी.आई. की इस रिपोर्ट ने झूठ फैलाने वालों का मुंह बंद कर दिया है

- **प्रधानमंत्री ने कहा रोजगार पर झूठे आंकड़े फैलाकर विपक्षी पार्टियां विकास परियोजनाओं में अडंगा लगा रही है।**
- **प्रधानमंत्री ने यह बात महाराष्ट्र में 30 हजार करोड़ की सड़क व रेल परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कही।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना का उद्घाटन किया, जिसके तहत हर साल दस लाख शिक्षित युवाओं को भत्ते के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा।**

मुंबई,13 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि, पिछले तीन साल में रोजगार के करीब आठ करोड़ नये अवसर सृजित हुए हैं, जिससे रोजगार के मामले पर झूठी तथ्यहीन बातें फैलाने वालों का मुंह बंद हो गया है।

मोदी ने कहा कि कोरोना के बावजूद भारत में रिकॉर्ड संख्या में रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा, हाल में रोजगार के बारे में आरबीआई ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन-चार सालों में देश में करीब आठ करोड़ नये रोजगार पैदा हुए हैं। इन आंकड़ों ने उन लोगों का मुंह बंद कर दिया है, जो झूठी बातें फैला रहे थे।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं पर बुनियादी परियोजनाओं और विकास के कार्यों में अड़ंगा डालने का आरोप लगाया और कहा कि, देश के लोगों ने उनकी साजिशों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, ये लोग निवेश, बुनियादी ढ ांचा और देश के विकास के कामों का विरोध करते हैं और अब उनकी कलई खुल गयी है। देश के नागरिक उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

मोदी ने इस कार्यक्रम में मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों में सम्पर्क सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की सड़क मार्ग और रेल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना का भी उद्घाटन किया। छिहत्तर हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत हर साल 10 लाख शिक्षित युवाओं को भत्ते के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और रामदास अट्ठावले, राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि महाराष्ट्र सरकार ने हर साल 10 लाख नौजवानों को कार्य कौशल का प्रशिक्षण देने का संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मेरा लक्ष्य मुंबई को दुनिया की फिनटेक (फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी) कैपिटल (राजधानी) बनाना है और मुंबई को और विकसित कर यहां के लोगों के जीवन स्तर को सुधारना और उनके लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करना है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में मुंबई और महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसीलिए उनकी सरकार ने मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में सम्पर्क सुविधाओं के विस्तार का बीड़ा उठाया है। तटीय मार्ग और अटल सेतु का काम पूरा हो चुका है। हर रोज अटल सेतु का 20 हजार वाहन इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे रोजना 20 से 25 लाख रुपये के ईंधन की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि अटल सेतु बन रहा था, तो कुछ लोग इसका विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले मुंबई में मेट्रो रेल केवल आठ किलोमीटर लंबा नेटवर्क था, जो अब 80 किमी तक पहुंच गया है और 200 किमी की लाइनों पर काम चल रहा है।

मोदी ने मुंबई में आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया, उनमें गोरेगांव-मुलुंद सड़क मार्ग परियोजना का भूमि पूजन, ठाणे-बोरीबली दोहरी सुरंग -सड़क परियोजना का शिलान्यास भी शामिल है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600